बालाघाट
मंगलवार 22 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 02
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,294.96
निफ्टी	-	23,346.40
सोना	-	1,63,292
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	96.00

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पानी में डूबने से छह बच्चों की मौत

भागलपुर। भागलपुर जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के भीरखुद पंचायत स्थित तरेटा गांव में सोमवार को बाढ़ के पानी में डूबने से छह बच्चों की मौत हो गई। हादसा गैस गोदाम के पास हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पानी में बच्चों की तलाश शुरू कर दी। इसके बाद सुल्तानगंज थाना पुलिस और अंचल पदाधिकारी को घटना की सूचना दी गई। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी छह बच्चों को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें सुल्तानगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

कुछ ना कहना

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में यूपी एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा...सभी घटनाएं सीसीटीवी में रिकॉर्ड; 2 दिन में दाखिल होगी चार्जशीट

राम मंदिर में 70 नहीं, 105 बार चढ़ावा चोरी हुई

अयोध्या/नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में बड़ा खुलासा हुआ है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 नहीं, 105 घटनाएं कैद हुई हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की स्टेटस रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट को जांच की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एसआईटी की जांच लगभग पूरी हो चुकी है। एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य सबूतों की जांच कर आरोपियों की पहचान की है। चढ़ावे और कीमती सामान की रसीदें सॉफ्टवेयर के जरिए तैयार होती हैं और सामान एसबीआई के लॉकर में रखा जाता है। कोर्ट ने एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर ले लिया है।

इससे पहले 23 जून को पहली एसआईटी ने अपनी प्राइमरी जांच रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंपी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 27 अप्रैल से 5 जून के बीच सीसीटीवी में लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं कैद हुई थीं। फुटेज में पुलिस की गिरफ्त में आए 8 आरोपी नोटों की गड्डियां जेब और जूतों में छिपाते हुए दिखे थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दूसरी एसआईटी बनाई गई है, जो जांच कर रही है।

25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल होगी

सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि एसआईटी 25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल कर देगी। सुप्रीम कोर्ट ने मजिस्ट्रेट को कानून के मुताबिक चार्जशीट पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं ने एसआईटी रिपोर्ट की कॉपी मांगी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे देने से इनकार कर दिया। सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वह मामले को सेशन जज के अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं करना चाहती। जरूरत पड़ने पर कोर्ट आगे की जांच के संबंध में आदेश जारी कर सकता है।

22 सितंबर को 90 दिन पूरे, क्या जमानत पर बाहर आएंगे आरोपी?

वरिष्ठ अधिवक्ता शिवम पांडेय के मुताबिक, जिन मामलों में कानून के तहत 90 दिन में चार्जशीट दाखिल करना जरूरी होता है, वहां समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होने पर आरोपी को वैधानिक यानी डिफॉल्ट बेल का अधिकार मिल सकता है। इस मामले में 90 दिन की अवधि पूरी हो रही है। इसलिए पुलिस के लिए चार्जशीट दाखिल करने की समय-सीमा अहम हो गई है।

जुलाई में जारी हुए थे नोटिस

चढ़ावा चोरी के मामले की जांच के लिए जुलाई में सुप्रीम कोर्ट में 4 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, यूपी सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। याचिकाकर्ताओं में राजद सांसद सुधाकर सिंह, वकील एनके गोस्वामी, अजय कुमार राय और हिंदू धर्म परिषद शामिल हैं। याचिका में राम मंदिर ट्रस्ट के पैसों का पूरा ऑडिट कराने की मांग भी की गई है।

25 जून को 8 लोगों पर दर्ज हुई थी एफआईआर, सभी जेल में

रामजन्मभूमि थाने में 25 जून को 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। इनमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, सुभाष श्रीवास्तव, अविनाश शुक्ल, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्र शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपियों पर मंदिर से चोरी, कर्मचारी के तौर पर संपत्ति की चोरी, आपराधिक विश्वासघात, चोरी की संपत्ति को छिपाने या उसका इस्तेमाल करने में मदद, आपराधिक साजिश और साझा मंशा से अपराध करने जैसी धाराओं में कार्रवाई की गई है। सभी फैजाबाद जेल में बंद हैं।

सोनिया गांधी को झटका- वोटर लिस्ट से जुड़े मामले में बड़ा मोड़, मजिस्ट्रेट का आदेश रद्द

नागरिकता से पहले मताधिकार मामले की होगी जांच

नई दिल्ली। सोनीया गांधी मतदाता सूची मामले में विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए मामले) ने उस पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार कर लिया है, जो भारतीय नागरिक बनने से पहले कांग्रेस नेता सोनीया गांधी का नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने से जुड़ी शिकायत में मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

सत्र अदालत ने 2025 में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया है। मामले को नए सिरे से सुनवाई और कारण स्पष्ट करने वाला आदेश पारित करने के लिए वापस भेज दिया गया है। मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता सोनीया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली शिकायत को खारिज कर दिया था।

मजिस्ट्रेट अदालत की टिप्पणी को बताया गलत

सत्र अदालत ने कहा कि शिकायत को एक अप्रमाणित रिकॉर्ड की फोटोकॉपी के आधार पर महज एक तथ्यात्मक दावा मानकर खारिज किया गया था। अदालत ने कहा कि यह आदेश रद्द किए जाने योग्य है। सत्र अदालत ने नागरिकता से जुड़े मुद्दों पर क्षेत्राधिकार के संबंध में मजिस्ट्रेट अदालत की टिप्पणी को गलत पाया।

दोनों पक्षों को सुनकर आदेश देने निर्देश

विशेष अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों पक्षों की बात सुनने और मामले की जांच करने के बाद विस्तृत और तर्कपूर्ण आदेश जारी किया जाए। अदालत ने संबंधित पुलिस अधिकारी का पक्ष जानने के लिए भी कहा है।

29 सितंबर को अगली सुनवाई

सत्र अदालत ने कहा कि चुनौती दिए गए आदेश में इस बात पर कोई स्पष्ट कारण नहीं दिया गया है कि क्या संज्ञेय अपराध का खुलासा होता है या नहीं। सत्र अदालत ने कहा कि नागरिकता के संबंध में केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग को लेकर की गई टिप्पणियां उचित नहीं थीं। मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेज दिया गया है और इसे 29 सितंबर को सूचीबद्ध किया गया है।

कर्नाटक विधानसभा में 'वंदे मातरम्' पर विवाद, दो अंतरों के बाद ऑडियो रुका तो बीजेपी विधायकों ने पूरा गीत गाया

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में सोमवार को 'वंदे मातरम्' के गायन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद हो गया। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने पर वंदे मातरम् का आधिकारिक ऑडियो चलाया गया, लेकिन दो अंतरों के बाद इसे रोक दिया गया। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने विरोध जताते हुए वंदे मातरम् के बाकी अंतरे खुद गाए।

विधानसभा में भाजपा विधायकों ने सरकार के फैसले के खिलाफ नारे भी लगाए। इसी दौरान विधानसभा अध्यक्ष जी.एस. पाटिल सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाते रहे। भाजपा विधायकों ने पूरा वंदे मातरम् गाने के बाद 'जय हिंद' के नारे लगाए। इसी तरह विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने गीत के बाकी अंतरे गाए, जबकि परिषद के सभापति सलीम अहमद संविधान की प्रस्तावना पढ़ रहे थे।

विवाद की जड़ कर्नाटक सरकार का हालिया आदेश है। इसके तहत सामान्य सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे गाने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में पूरा गीत गाने की व्यवस्था रखी गई है।

गंदगी फैलाने वालों पर कैमरों की नजर

इतवारी गंज में चला नपा का विशेष स्वच्छता अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवाकाल के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में इतवारी गंज बाजार में व्यापक सफाई अभियान चलाकर सड़कों, बाजार परिसर और नालियों की सफाई एवं धुलाई की गई। रविवार को साप्ताहिक बाजार लगने के बाद क्षेत्र में बड़ी मात्रा में सब्जियों, फलों, पॉलीथिन और अन्य कचरा फैल जाने से गंदगी की स्थिति निर्मित होती है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने व्यापारियों एवं नागरिकों से कचरा निर्धारित स्थान या कचरा वाहन में ही डालने तथा नालियों में पॉलीथिन, फल-सब्जियाँ एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री नहीं फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि बालाघाट हमारा अपना शहर है और इसे साफ, स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान तीन-चार ऐसे स्थान चिह्नित किए गए, जहाँ नियमित रूप से कचरा फेंका जाता है। नगर पालिका अध्यक्ष ने इन स्थानों पर निगरानी कैमरे लगाने के निर्देश दिए, ताकि कचरा फेंकने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। इतवारी गंज क्षेत्र में पूर्व में लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं, जिनमें एक करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित पार्किंग स्थल भी शामिल है। नगर पालिका अध्यक्ष ने पार्किंग स्थल की व्यवस्थाएँ शीघ्र पूर्ण कर उसे प्रारंभ करने, दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग तथा निर्धारित शुल्क वसूली की व्यवस्था बनाने के निर्देश राजस्व अमले को दिए। सब्जी एवं चिल्लर बाजार के अंदर मोटरसाइकिलों का आवागमन रोकने तथा व्यवस्था के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी संबंधित राजस्व निरीक्षक को दिए गए। अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे से 21 सितंबर को इतवारी बाजार, 22 सितंबर को वैनगंगा नदी के छोटे पुल स्थित विसर्जन घाट, 23 सितंबर को देवी तालाब एवं धोबी तालाब, 24 सितंबर को गुजरी बाजार, 25 सितंबर को बस स्टैंड एवं रानी अवंतीबाई चौक, 26 सितंबर को मेन रोड एवं आचार्य विद्यासागर मार्ग, 28 सितंबर को इतवारी गंज एवं हनुमान चौक, 29 सितंबर को गुजरी बाजार एवं गौली मोहल्ला, 30 सितंबर को बजरंग घाट एवं रेंजर्स कॉलेज क्षेत्र, 1 अक्टूबर को डीमरटोला घाट एवं वार्ड क्रमांक 1 तथा 2 अक्टूबर को उत्कृष्ट विद्यालय मैदान एवं आंबेडकर मार्ग, गोंदिया रोड में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। नगरवासियों, व्यापारियों एवं सामाजिक संगठनों से अभियान में सहभागी बनने की अपील की गई है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष पप्पू योगेश भिसेन, सभापति वकील वाधवा, संगीता खगेस कावरे, उज्ज्वल आमाडारे, कमलेश पंचे, संगीता छोटू थापा सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्वच्छता अमला उपस्थित रहा।

भूपेंद्र आसटकर पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। आमगांव रोड, लांजी निवासी एवं आरामिल संचालक प्रभुदयाल आसटकर के बड़े सुपुत्र भूपेंद्र आसटकर का 50 वर्ष की आयु में सोमवार 21 सितंबर को दोपहर 1:30 बजे उपचार के दौरान निधन हो गया। वे विगत कुछ समय से अस्वस्थ थे और उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि भूपेंद्र आसटकर 2 मार्च 2026 को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद से उनका उपचार लगातार जारी था। परिवारजन उनके स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीद लगाए हुए थे, लेकिन सोमवार को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। करीब छह माह तक चले उपचार के बाद हुई इस दुखद घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। भूपेंद्र आसटकर अपने पीछे माता-पिता, दो भाई, एक बहन, पत्नी, एक पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से आसटकर परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। परिजनों एवं शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। दिवंगत भूपेंद्र आसटकर का अंतिम संस्कार सोमवार 21 सितंबर की शाम 7 बजे लांजी स्थित कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में परिवारजन, रिश्तेदार, मित्र एवं बड़ी संख्या में परिचितजन शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये
युवक - 01 पद
युवती - 02 पद
संपर्क करें-पायोनियर फाइनेंस
आम्बेडकर चौक, बालाघाट
मो. 9425448121

पुलिस भर्ती और भारतीय सेना की तैयारी के लिए युवाओं ने शारीरिक दक्षता परीक्षण में लिया भाग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पुलिस भर्ती एवं भारतीय सेना में करियर बनाने की तैयारी कर रहे जिले के युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालाघाट एवं बीपीएस फिजिकल एकेडमी लालबर्रा के संयुक्त तत्वावधान में 20 सितंबर 2026 को उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान लालबर्रा में शारीरिक माप एवं दक्षता परीक्षण आयोजित किया गया। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देश एवं सतत मार्गदर्शन में आयोजित

इस परीक्षण का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य डुलेंद्र ठाकरे (मुन्ना भैया), लालबर्रा थाना प्रभारी राजमल दायमा, पनबिहरी सरपंच बीरू बनवाने, उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के प्राचार्य सनत दुबे, कोच ब्रजेश पंचेश्वर एवं प्रशांति इंस्टीट्यूट के अंकित सर ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस भर्ती एवं भारतीय सेना की चयन प्रक्रिया के अनुरूप युवाओं को अपनी शारीरिक क्षमता परखने और आवश्यक दक्षता विकसित करने का निःशुल्क अवसर प्रदान किया गया। परीक्षण में जिले के युवाओं एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शारीरिक दक्षता परीक्षण के दौरान 1600 मीटर एवं 800 मीटर दौड़, बीम, ऊंचाई, सीना, वजन, गोला फेंक, लंबी कूद सहित विभिन्न शारीरिक माप एवं फिटनेस गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों की क्षमता और दक्षता का आकलन किया गया। इस दौरान महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिला। आयोजन में ब्लॉक समन्वयक लालबर्रा लव पटेल नागपुरे, बीपीएस फिटनेस एकेडमी के प्रशिक्षक ब्रजेश पंचेश्वर, विकास चौबे, शुभम बिसेन, राधिका नायक, स्वाति दमाहे, साक्षी दादरे, आशा नारबोदे, कमलेश तुमसरे, श्रद्धा बहेश्वर, काजल सहित खिलाड़ी एवं अन्य उपस्थित रहे।

दसलक्षण महापर्व में तप और साधना की मिसाल

छठवें दिन 16 तपस्वियों ने बढ़ाया धर्म प्रभावना का उत्साह

मुनिश्री विराटसागर एवं निस्संगसागर महाराज के सानिध्य में आत्मशुद्धि का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री दिगंबर जैन पंचायत बालाघाट एवं सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में चल रहे श्री दसलक्षण महापर्व के दौरान नगर में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। मुनिश्री विराटसागर जी महाराज एवं मुनिश्री निस्संगसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धालुओं को धर्म, संयम और आत्मशुद्धि का मार्ग बताया जा रहा है। महापर्व के छठवें दिवस पर विशेष रूप से 16 तपस्वी भाई-बहनों ने उपवास साधना के छठवें दिन में प्रवेश किया, जिस पर समाजजनों ने उनकी तपस्या की अनुमोदना करते हुए आत्मबल और निरंतर धर्माराधना की मंगलकामना की। तपस्वियों में सुनीता जैन सिंघई, अंकुश जैन, पलकेश जैन, रिजु आगम जैन, प्रणीत ईशू जैन, संकल्प जैन छोटू, अमन राजेंद्र जैन, आकांक्षा आकाश जैन, नितेश जैन पिंटू, प्राची प्रवीण जैन, श्री आनंद जी मॉडल, अभिषेक बाहुबली, रचना मोनू जी जैन भोजनालय, मौली जैन वर्धमान फर्नीचर, श्रीमती आयुषी एकांत जैन एवं श्रीमान सुबोध जैन शामिल हैं। समाजजनों ने 'तपस्या को नमन, तपस्वियों को वंदन' के भाव के साथ तपस्वियों की साधना की अनुमोदना की। मुनिश्री द्वारा दसलक्षण धर्म के विभिन्न स्वरूपों की व्याख्या करते हुए श्रद्धालुओं को बताया जा रहा है कि उत्तम क्षमा केवल शब्दों तक सीमित न रहकर मन से क्रोध और वैर को समाप्त करने की साधना है। उत्तम मार्दव व्यक्ति को अहंकार छोड़कर विनम्रता का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है, जबकि उत्तम आर्जव मन, वचन और कर्म में सरलता एवं एकरूपता का संदेश देता है। उत्तम शौच के माध्यम से लोभ, ईर्ष्या और आसक्ति जैसे विकारों से मन को निर्मल करने तथा उत्तम सत्य के माध्यम से सत्य एवं हितकारी वाणी बोलने की प्रेरणा दी जा रही है। वहीं उत्तम संयम के जरिए मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखने का संदेश दिया जा रहा है। मुनिश्री के प्रवचनों से श्रद्धालुओं को दसलक्षण महापर्व को केवल धार्मिक पर्व के रूप में मनाने के बजाय इसके सिद्धांतों को अपने आचरण और दैनिक जीवन में उतारने की प्रेरणा मिल रही है। महापर्व के दौरान प्रातःकाल आत्मध्यान, श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा, मंगल प्रवचन, पूजन और आहारचर्या सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। शाम को आचार्य भक्ति, श्रावक प्रतिक्रमण, भावना भक्ति, मंगल आरती, मंगल प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से धर्म प्रभावना की जा रही है। आयोजन को सफल बनाने में श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन के मार्गदर्शन में जिनेंद्र भक्त मंडल, दिगंबर जैन महिला मंडल, बालिका मंडल, पाठशाला समिति, सखी मंडल सहित समाज के विभिन्न मंडलों और समितियों का सहयोग मिल रहा है। पंचायत के सहसचिव सिंघई अमन जैन ने बताया कि महापर्व के सभी कार्यक्रमों में समाजजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि संतों के सानिध्य और समाज की सामूहिक भागीदारी से धर्म, संयम, तप, त्याग और आत्मकल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंच रहा है। दसलक्षण महापर्व के आगामी आयोजनों को लेकर भी समाजजनों में उत्साह बना हुआ है। 25 सितंबर को मंगल प्रवचन एवं पारणे के साथ शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि 26 सितंबर को क्षमावाणी पर्व के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। इसके अलावा विभिन्न मंडलों द्वारा धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। समाजजनों के अनुसार महापर्व की आराधना श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन के साथ अपने जीवन में क्षमा, संयम, त्याग, तप और अहिंसा जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दे रही है। संतों के पावन सानिध्य में चल रही धर्म आराधना के चलते बालाघाट में दसलक्षण महापर्व का धार्मिक उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है।

नाम जोड़ने की सूचना

मैं, आशा उपाध्याय (ASHA UPADHYAY), पति स्वर्गीय सुबोध कुमार उपाध्याय, आर्मी क्रमांक 7764031, L/NK Late Subodh Kumar Upadhyay, पता- वार्ड नं. 15, सिविल लाइन, वारासिवनी, जिला बालाघाट (म.प्र.) - पिन 481331, की मूल निवासी हूं।

मेरी बेटी का विवाह मिश्रा परिवार में श्रीमान स्वर्गीय राजेंद्र मिश्रा जी के साथ हो गया था जिसके बाद उनका सरनेम उपाध्याय UPADHYAY से परिवर्तित होकर मिश्रा MISHRA हो गया है।

शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ

1.मेरी विधवा पुत्री का नाम रेणु मिश्रा (RENU MISHRA) एवं उसकी वास्तविक जन्म तिथि 01 जुलाई 1973 है।

2.मेरी, विधवा पुत्री रेणु मिश्रा (RENU MISHRA) के आधार कार्ड, PAN Card एवं अन्य दस्तावेजों में रेणु मिश्रा (RENU MISHRA) एवं जन्म तिथि 01 जुलाई 1973 अंकित है जो सही व सत्य हैं।

3. मेरी विधवा पुत्री का सरनेम शादी के पहले उपाध्याय (UPADHYAY) था और शादी के बाद उसकी सरनेम उपाध्याय (UPADHYAY) से मिश्रा (MISHRA) हो गई है । अब मेरी विधवा पुत्री रेणु मिश्रा (RENU MISHRA) के नाम से जाना पहचाना जाये। जो कि पुर्णतः मुझ पर आश्रित है।

4. मैं मेरी विधवा पुत्री रेणु मिश्रा (RENU MISHRA), जन्म तिथि 01 जुलाई 1973, का अभिलेखा कार्यालय से अपने पति के Army दस्तावेजों में दाखिल (भाग दो आदेश PI-II Order) करवाना चाहती हूँ।

स्थान:- वारासिवनी
दिनांक-21/09/2026

शपथकर्ता
आशा उपाध्याय

JOB VACANCY
WE ARE HIRING
- RECEPTION › SALARY 5000+
- SURVEYOR › SALARY 15000+
- AREA MANEGER › SALARY 20000+
- ELECTRONIC TECHNICIAN › SALARY 10000+

› CONTACT ›
9826181028, 9232652868

गांव-गांव पहुंची पुलिस, चौपाल लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस और ग्रामीणों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा ग्रामीणों को अपराध, नशे और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 21 सितंबर को रूपझर थाना क्षेत्र की विभिन्न पुलिस चौकियों के अंतर्गत ग्राम चौपालों का आयोजन किया गया।

थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया।

सारद में स्वच्छता से लेकर साइबर ठगी तक दी जानकारी

पुलिस चौकी बिठली क्षेत्रांतर्गत ग्राम सारद में आयोजित ग्राम चौपाल में ग्रामीणों को घर, मोहल्ले और गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस ने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए कहा कि बीमारी अथवा स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में लापरवाही न बरतें और तत्काल नजदीकी शासकीय अस्पताल पहुंचकर उपचार कराएं। चौपाल में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। पुलिस ने साइबर ठगों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए अनजान फोन कॉल, लिंक, ओटीपी और अन्य संदिग्ध गतिविधियों से सावधान रहने की समझाइश दी। साथ ही ग्रामीणों को नशे से दूर रहने और नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी जागरूक किया गया।

समनापुर में नशे के दुष्प्रभावों पर पुलिस की पाठशाला

पुलिस चौकी उकवा क्षेत्रांतर्गत ग्राम समनापुर में भी ग्रामीणों को एकत्रित कर ग्राम चौपाल लगाई गई। इस दौरान पुलिस ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से समझाइश दी। ग्रामीणों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने के उपाय बताए गए। पुलिस ने किसी भी संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन गतिविधि में व्यक्तिगत अथवा बैंक संबंधी जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी।

सिंघई में महिलाओं और ग्रामीणों को किया जागरूक

इधर पुलिस चौकी डोरा अंतर्गत ग्राम सिंघई में ग्रामीणों एवं महिलाओं को एकत्रित कर नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस ने नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से नशे से दूर रहने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। चौपाल में साइबर अपराधों से बचाव और ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा मौसम में होने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव, स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता और समय पर उपचार कराने को लेकर ग्रामीणों को आवश्यक समझाइश दी गई।

चौपाल के जरिए गांवों तक पहुंचा जागरूकता का संदेश

पुलिस द्वारा आयोजित इन ग्राम चौपालों में अपराध नियंत्रण के साथ-साथ नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों को ग्रामीणों के बीच रखा गया। पुलिस का यह प्रयास ग्रामीणों और पुलिस के बीच संवाद को मजबूत करने के साथ गांवों में जागरूकता का वातावरण तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

हमारी संस्कृति गांवों में ही जीवित इसे संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा काम-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम लड़सड़ा में गणेश उत्सव समिति के संयुक्त तत्वाधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। विभिन्न ग्रामों से पहुंची नृत्य मंडलियों ने पारंपरिक गीत,संगीत और नृत्य की प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों में आदिवासी संस्कृति और लोक परंपराओं की मनोहारी झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक विवेक पटेल पहुंचे। जहां समितियों के पदाधिकारियों ने उनका

पुष्प मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान संतोष ठकरेले,अंकेश नगपुरे, सूर्या नगपुरे, अंकेश रनगिरे,पवन नगपुरे,पारस नगपुरे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक विक्की पटेल ने ग्रामवासी और लोक नृत्य कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति और परम्पराओं को जीवित रखने में ऐसे आयोजन होना चाहिए। हमारी संस्कृति गांवों में ही जीवित है,इसे संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचना हमारी जिम्मेदारी है। इस मंहगाई के दौर में कार्यक्रम करवाना थोड़ा मुश्किल जरूर होता है। मगर भगवान श्रीगणेश के आशीर्वाद और ग्रामीणों के एकजुट होने के चलते कोई भी कार्यक्रम में बाधा नहीं आती है। बड़े ही धूमधाम से बड़े से बड़े कार्यक्रम सम्पन्न हो जाते हैं।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास
भिलाई रोड गायत्री
मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 22 सितम्बर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

हट्टाटोला में किसान के घर से तीन बकरियां चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम हट्टाटोला में एक किसान के घर से अज्ञात चोर तीन बकरियां चोरी कर ले गए। चोरी गई बकरियों की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई गई है। घटना की शिकायत मिलने के बाद हट्टा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में बकरी चोरी की यह पहली घटना नहीं है। इसके पूर्व भी बकरियां चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जिनमें पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हट्टाटोला निवासी सूरज लाल चौधरी खेती-किसानी का कार्य करते हैं। उनके पास दो गाय, दो बैल और तीन बकरियां हैं। इनमें एक बड़ी तथा दो छोटी बकरियां शामिल हैं। बताया गया कि 19 सितंबर को सूरज लाल चौधरी अपने मवेशियों को चराने के लिए ले गए थे। शाम को घर लौटने के बाद उन्होंने सभी मवेशियों को अलग-अलग कोठे में बांध दिया था। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सो गए.रात करीब 11 बजे सूरज लाल चौधरी के बेटे अनेश चौधरी ने घर में बंधे मवेशियों को चारा दिया था। इसके बाद सभी लोग सो गए। रात करीब 3 बजे सूरज लाल चौधरी लघुशंका के लिए उठे। इस दौरान वे अपने मवेशियों को देखने के लिए कोठे की ओर गए जहां तीनों बकरियां गायब मिलीं। कोठे का दरवाजा भी खुला हुआ था। बकरियां वहां नहीं मिलने पर उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ आसपास के मोहल्ले तथा अन्य गांवों में उनकी तलाश की लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला इसके बाद किसान सूरज लाल चौधरी ने घटना की सूचना हट्टा पुलिस को दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) एवं 331(4) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्र में पूछताछ करने के साथ ही चोरी गई बकरियों और अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है।

क्षेत्र में पहले भी हो चुकी हैं बकरी चोरी की घटनाएं

हट्टाटोला एवं आसपास के क्षेत्र में बकरी चोरी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में भी कई लोगों की बकरियां चोरी हुई हैं। जिसके बाद पुलिस ने मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा था। लगातार हो रही घटनाओं के कारण पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने पुलिस से बकरी चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा रात के समय क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

नकाबपोश बदमाशों ने डीसीएस कंपनी कैंपस में मचाया आतंक

तीन कर्मचारियों से बेरहमी से मारपीट, बोलेरो में तोड़फोड़ के बाद 30 मीटर केबल वायर ले उड़े, पुलिस ने दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड ताम्र परियोजना क्षेत्र स्थित डीसीएस कंपनी के कैंपस में गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात करीब एक दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने घुसकर जमकर उत्पात मचाया। हथियारों से लैस बदमाशों ने रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात तीन कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट की और कैंपस में खड़ी बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कंपनी परिसर में लगी मशीन से करीब 30 मीटर केबल वायर काटकर फरार हो गए। चोरी गए केबल की कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है। घटना से कंपनी कैंपस में हड़कंप मच गया।मामले में ग्राम मंडई निवासी एवं डीसीएस कंपनी में स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत प्रकाश कटरे 35 वर्ष की रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात्रि 3 बजे कैंपस में घुसे नकाबपोश

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकाश कटरे पिछले करीब दो वर्षों से डीसीएस कंपनी में स्टोर कीपर के रूप में कार्यरत हैं। 17 सितंबर की रात 9 बजे से 18 सितंबर की सुबह 5 बजे तक उनकी ड्यूटी कंपनी कैंपस में थी। 18 सितंबर की सुबह करीब 3 बजे प्रकाश स्टोर रूम के सामने स्टोर हेल्पर अरविंद मेरावी के साथ बैठे थे। इसी दौरान करीब एक दर्जन नकाबपोश कैंपस में घुस आए। सभी ने अपने चेहरे कपड़े से ढंक रखे थे। बताया गया कि इनमें से कुछ के हाथों में डंडे, कुल्हाड़ी और हसिया जैसे हथियार थे।

तीन कर्मचारियों को बनाया निशाना

नकाबपोशों में से तीन व्यक्ति प्रकाश की ओर आए। इसी दौरान गार्ड रितेश भी वहां पहुंच गया। आरोपियों ने प्रकाश और रितेश के साथ मारपीट की तथा उनके मोबाइल फोन लेकर अलग रख दिए। इसके बाद प्रकाश, रितेश और अरविंद मेरावी के साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई। अचानक हुए हमले से कैंपस में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कैंपस ऑपरेटर के पहुंचते ही बढ़ा हंगामा

इसी दौरान कैंपस ऑपरेटर राजेंद्र कुमार एक गार्ड के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बदमाशों से पूछा कि वे यहां क्या कर रहे हैं और कैंपस से चले जाने को कहा। इस पर तीन नकाबपोश राजेंद्र कुमार की ओर दौड़ पड़े। इसी बीच कैंपस के अंदर गए अन्य आरोपी भी वहां पहुंच गए। बदमाशों ने कैंपस में खड़ी बोलेरो में डंडों से हमला कर उसके कांच तोड़ दिए।

पुलिस बुलाने की बात सुनकर भागे आरोपी

राजेंद्र कुमार जान बचाकर वहां से भागने लगे। इसी दौरान एक आरोपी ने उन्हें भी डंडे से मारा। राजेंद्र ने जोर से चिल्लाते हुए कहा कि वह पुलिस को बुला रहे हैं। पुलिस बुलाने की बात सुनते ही बदमाशों ने प्रकाश सहित तीनों कर्मचारियों को कंपनी की खड़ी बस के पास ले जाकर खड़ा कर दिया और सभी आरोपी पीछे की ओर से मौके से फरार हो गए।

गार्ड ने डायल 112 को दी सूचना

फाईल फोटो

घटना के बाद वहां मौजूद गार्ड अखिल धुर्वे ने तत्काल डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस वाहन के मौके पर पहुंचने के बाद प्रकाश, रितेश और अरविंद बस से बाहर निकले। सूचना मिलते ही कंपनी के अन्य गार्ड भी मौके पर पहुंच गए। इस दौरान कर्मचारियों के मोबाइल फोन भी वहीं गिरे हुए मिले।

मशीन से काट ले गए 30 मीटर केबल

बदमाशों के फरार होने के बाद जब कंपनी कैंपस की जांच की गई तो मशीन में लगा करीब 30 मीटर केबल वायर गायब मिला। जांच में सामने आया कि नकाबपोश आरोपी मारपीट और तोड़फोड़ के साथ-साथ मशीन में लगा केबल वायर भी काटकर ले गए। चोरी गए केबल की अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई जा रही है।

घायलों का अस्पताल में कराया उपचार

मारपीट में घायल कर्मचारियों को मलाजखंड पुलिस द्वारा बिरसा अस्पताल ले जाकर उपचार कराया गया। वहीं, प्रकाश कटरे की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 127(2), 3(5), 305(ए) एवं 324(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा घटना में शामिल नकाबपोश आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच-पड़ताल की जा रही है।

चार महीने से मानदेय नहीं, रसोइयों के चूल्हे ठंडे

15 सितंबर से चूल्हा बंद, जनपद पंचायत के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू, हजारों बच्चों का भोजन प्रभावित, विभाग वैकल्पिक व्यवस्था के भरोसे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चार महीने से मानदेय का इंतजार कर रहीं प्रांतीय स्व-सहायता समूह रसोइया महासंघ की रसोइया बहनों ने आखिरकार आंदोलन का रास्ता पकड़ लिया है। 15 सितंबर से चूल्हा बंद आंदोलन शुरू करने के बाद 19 सितंबर से जिलेभर की रसोइया बहनें जिला मुख्यालय पहुंचकर जनपद पंचायत कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गई हैं। रसोइया बहनों का कहना है कि बार-बार आवेदन, निवेदन और ज्ञापन देने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे अब उनके सामने आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। आंदोलन के कारण सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी है। संगठन की जिलाध्यक्ष कविता लाड़े का कहना है कि रसोइया बहनें लंबे समय से सीमित मानदेय में स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने की जिम्मेदारी निभा रही हैं, लेकिन चार माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उनका आरोप है कि सांझा चूल्हा योजना के तहत मिलने वाला राशन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे बच्चों के लिए निर्धारित भोजन तैयार करने में परेशानी आती है। उन्होंने कहा कि समस्याओं को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों के समक्ष बात रखी गई, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा। रसोइया बहनों ने पहले 15 सितंबर से अपने-अपने स्तर पर चूल्हा बंद कर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद प्रदेश संगठन के आह्वान

पर 19 सितंबर से जिला मुख्यालय में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया। रसोइया बहनों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती और लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस आंदोलन का सीधा असर अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मध्यान्ह भोजन पर दिखाई देने लगा है। जिन स्कूलों में रोजाना रसोइया बहनों द्वारा बच्चों के लिए भोजन तैयार किया जाता था, वहां व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ऐसे में हजारों बच्चों के सामने स्कूल में मिलने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर स्थिति असमंजसपूर्ण बन गई है। एक तरफ रसोइया बहनें अपनी मांगों को लेकर धरने पर हैं तो दूसरी तरफ विभाग के सामने स्कूलों में भोजन व्यवस्था सुचारू रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। मामले को लेकर जिला पंचायत में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था देख रहीं सांत्वना अग्रवाल से दूरभाष पर जानकारी ली गई तो उन्होंने शुरुआत में रसोइया बहनों के अनिश्चितकालीन धरने और भोजन नहीं बनाए जाने की जानकारी होने से अनभिज्ञता जताई। मानदेय के सवाल पर उन्होंने रसोइया बहनों के बैंक खातों की केवाईसी पूरी नहीं होने की बात कही और इसी वजह से भुगतान प्रभावित होने की जानकारी दी। हालांकि रसोइया बहनों का दावा है कि चार महीने से मानदेय नहीं मिला है और वे इसी समस्या को लेकर आंदोलन कर रही हैं। विभाग की ओर से यह भी बताया गया कि कुछ स्थानों पर स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि स्कूलों में बच्चों के भोजन की व्यवस्था पूरी तरह ठप न हो। लेकिन जिलेभर में रसोइया बहनों की बड़ी संख्या को देखते हुए हर स्कूल में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी करना आसान नहीं माना जा रहा। खुद विभागीय स्तर से भी यह स्वीकार किया गया कि बड़ी संख्या में रसोइया बहनों के हड़ताल पर जाने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था बनाना चुनौतीपूर्ण है। रसोइया महासंघ की प्रमुख मांगों में लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान, राशि एवं खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराना, रसोइया बहनों की सेवा अवधि 65 वर्ष करना, पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ देना, विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या के आधार पर खाद्यान्न एवं राशि उपलब्ध कराना, महंगाई के अनुरूप भोजन की लागत बढ़ाना, जर्जर किचन शेड की मरम्मत, स्वच्छ पेयजल और रसोई गैस की नियमित व्यवस्था जैसी मांगें शामिल हैं। संगठन का कहना है कि जब तक इन मांगों पर शासन स्तर से गंभीरता नहीं दिखाई जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि चार महीने से मानदेय के इंतजार में बैठी रसोइया बहनों की समस्या का समाधान कब होगा और स्कूलों में बच्चों के मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था कब तक प्रभावित रहेगी। फिलहाल रसोइया बहनें जनपद पंचायत के सामने डटी हैं और विभाग वैकल्पिक व्यवस्था के भरोसे स्थिति संभालने की कोशिश में है।

आहार में विविधता और पर्याप्त प्रोटीन पर आंगनवाड़ी केंद्र गर्रा-5 में महिलाओं को दी समझाइश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के तहत 21 सितंबर को आंगनवाड़ी केंद्र गर्रा-5 में महिलाओं एवं माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आहार में विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन विषय पर महिलाओं को विस्तार से समझाइश दी गई। उन्हें बताया गया कि परिवार के दैनिक भोजन में केवल पेट भरने वाले खाद्य पदार्थों के बजाय विभिन्न प्रकार के पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना जरूरी है। दाल, चना, मूंगफली, सोयाबीन, दूध-दही, अंडा, हरी पत्तेदार सब्जियों सहित स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन करने की सलाह दी गई। विशेष रूप से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के भोजन में पर्याप्त प्रोटीन और विभिन्न खाद्य समूहों को शामिल करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को ताजा एवं स्वच्छ भोजन के सेवन, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा बच्चों के संतुलित पोषण के संबंध में भी जानकारी दी गई। बच्चों की ऊंचाई और वजन का सत्यापन करने के साथ ही टीएचआर का सत्यापन भी किया गया। साथ ही कुपोषण की स्थिति में बच्चों को आवश्यकतानुसार एनआरसी में भर्ती कराने को लेकर अभिभावकों को समझाइश दी गई। बच्चे दक्ष चौधरी के घर जाकर एनआरसी में भर्ती कराने के संबंध में भी परिजनों को आवश्यक जानकारी दी गई, ताकि बच्चे को समय पर उचित पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं एवं परिवारों को घर के आसपास पोषण वाटिका विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इसके तहत

आंवला, मुनगा और नींबू जैसे पौष्टिक एवं फलदार पौधे लगाने की समझाइश दी गई। बताया गया कि घर के आसपास ऐसे पौधे लगाने से परिवार को स्थानीय स्तर पर पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकते हैं और बच्चों तथा महिलाओं के आहार में विविधता बढ़ाई जा सकती है। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को यह संदेश दिया गया कि बेहतर पोषण केवल एक दिन की गतिविधि नहीं, बल्कि परिवार की नियमित भोजन आदतों और जागरूकता से जुड़ा विषय है।

भोपाल-उमरिया-जबलपुर ने दर्ज की शानदार जीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान में हॉकी बालाघाट एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में

चल रहे हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन सोमवार को मैदान पर रोमांचक मुकाबलों का दौर देखने को मिला। हॉकी खिलाड़ी हीरालाल नागोसे एवं मेशराम शरणागत की स्मृति में 20 से 23 सितंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में भोपाल, उमरिया और जबलपुर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। दिन के पहले मुकाबले में भोपाल और बैतूल आमने-सामने रहे। भोपाल ने मैच के आठवें मिनट में गोल कर शुरुआती बढ़त बनाई। इसके बाद बैतूल ने पहले मध्यांतर से पहले गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन भोपाल ने जवाबी हमला करते हुए फिर गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली। दूसरे मध्यांतर के बाद भोपाल के खिलाड़ियों ने दो और गोल दागते हुए मुकाबला 4-1 से अपने नाम कर लिया। दूसरे मुकाबले में उमरिया और सिवनी की टीमें आमने-सामने रहीं, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने तेज और आक्रामक हॉकी का प्रदर्शन किया। उमरिया के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल के साथ खेलते हुए सिवनी पर दबाव बनाए रखा और अंततः 4-2 गोल से मुकाबला जीत लिया। दिन का अंतिम मुकाबला जबलपुर और नागपुर के बीच खेला गया। जबलपुर ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और पहले मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी टीम का आक्रामक खेल जारी रहा और दूसरे हाफ में गोलों की झड़ी लगाते हुए जबलपुर ने नागपुर को एकतरफा 6-1 गोल से शिकस्त दी। तीनों मुकाबलों में खिलाड़ियों ने तेज रफ्तार के साथ शानदार कलात्मक हॉकी का प्रदर्शन किया, जिसे देखने पहुंचे खेल प्रेमियों ने भी खूब सराहा। मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका विनोद साव, विशाल, सादाब खान, साकिर खान और राजेश सेवईवार ने निभाई।

आज क्वार्टर फाइनल के साथ सेमीफाइनल का रोमांच

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि टूर्नामेंट के तीसरे दिन मंगलवार, 22 सितंबर को दो क्वार्टर फाइनल और दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। सुबह 8 बजे पहला क्वार्टर फाइनल जबलपुर और नरसिंहपुर के बीच होगा, जबकि सुबह 9 बजे दूसरे क्वार्टर फाइनल में उमरिया और गोंदिया की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे से सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 23 सितंबर को आयोजित होगा। प्रतियोगिता में बालाघाट और भोपाल की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी हैं। आयोजन समिति ने शहर एवं जिले के खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की जीत पर बालाघाट में जश्न

जटाशंकर महाविद्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई, मध्यप्रदेश में छात्रसंघ चुनाव जल्द कराने की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशियों की जीत के बाद बालाघाट में भी विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। जिले के अग्रणी जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे और ढोल-नगाड़ों के बीच अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दिल्ली विश्वविद्यालय में विजयी हुए प्रत्याशियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। चुनाव में अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छाबड़ी तथा संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्यराज सिंह ने जीत हासिल की। परिणाम सामने आने के बाद बालाघाट के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने महाविद्यालय परिसर में एकत्रित होकर जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में शामिल है और वहां छात्रसंघ चुनाव में विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशियों को विद्यार्थियों का समर्थन मिलना कार्यकर्ताओं के लिए उत्साह का विषय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि विद्यार्थियों से जुड़े शैक्षणिक विषयों, मूलभूत सुविधाओं और छात्रहित की समस्याओं को विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे। प्रांत कार्यकारिणी सदस्य कुबेर सिंह बैस ने कहा कि विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सामाजिक और छात्रहित से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय रही है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल

चुनाव में भाग लेना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की समस्याओं को समझकर उन्हें उचित मंच तक पहुंचाना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना है। डूसू चुनाव में अध्यक्ष, सचिव एवं संयुक्त सचिव पद पर मिली जीत से देशभर के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि बालाघाट में भी विद्यार्थी परिषद महाविद्यालयों में विद्यार्थियों से जुड़ी समस्याओं, शैक्षणिक सुविधाओं और अन्य छात्रहित के विषयों को लेकर लगातार आवाज उठाती रही है। इसी दौरान कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश में भी जल्द छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं का कहना था कि विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से सहभागी बनने और अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग करते हुए कहा कि निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को संबंधित प्रशासन तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकते हैं। जश्न के दौरान महाविद्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बना। ढोल-नगाड़ों की धुन पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और विजयी प्रत्याशियों के समर्थन में नारे लगाते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। इस अवसर पर राहुल बुरडे, अमन दशहरी, अनिकेत यादव, प्रियांशु तिवारी, आरव कुमारे, बानी बोपचे, पलक पारधी, गायत्री रानी गोल्डार, आर्यन दमाहे, नारायण पटेल, शिवम लिल्हारे, रोहित बिसेन, आयुष नागपुरे, समीर बरईया, विकास ऊके, तुषार ऊके, नयन राहंगडाले, नवनीत गौतम, धोनी, पीयूष बुंदेले, हिमांशु गजभिए, आयुष डहरवाल, राहुल चौहान, मयंक मानेश्वर, पायल यादव सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

महाविद्यालय में "विकसित भारत 2047" विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में "सेवा संकल्प अभियान" के अन्तर्गत सोमवार को "सेवा जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकसित भारत 2047" विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को शासन की जनकल्याणकारी

योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करना था। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत, महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति एवं विकसित भारत 2047 जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। जिसमें प्रथम स्थान महेक खान, द्वितीय स्थान रागिनी खैरवार एवं तृतीय स्थान भावना कावरे ने प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में मुस्कान शेख ने सेवा जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकसित भारत 2047 विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं, सामाजिक विकास, शिक्षा, रोजगार, आत्मनिर्भरता तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों से कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी सफल हो सकता है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग इनके प्रति जागरूक हो और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाये। साथ ही विद्यार्थियों से सेवा, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आव्हान किया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती अनिभा शरणागत एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

सोनेवानी में जंगल सफारी शुरू करने की मांग

वाईल्ड लाईफ वाहन संचालक संघ और विधायक प्रतिनिधि ने वन मंडलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पर्यटकों की सुविधा के लिए सड़क का मरम्मत और अन्य सुविधा उपलब्ध करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

वाईल्ड लाईफ वाहन संचालक संघ सोनेवानी लालबर्रा ने आगामी 1 अक्टूबर से सोनेवानी वन प्राणी अनुभव क्षेत्र (कंजर्वेशन एरिया) में पर्यटकों के लिए जंगल सफारी पुन: चालू करने की मांग को लेकर दक्षिण वन मण्डल अधिकारी बालाघाट (डीएफओ) को सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। वहीं ज्ञापन के माध्यम से संगठन के पदाधिकारियों एवं विधायक प्रतिनिधि अनीस खान ने डीएफओं से 1 अक्टूबर से प्रदेश के सभी नेशनल पार्कों में जंगल सफारी प्रारंभ हो रही है। इसी तर्ज पर लालबर्रा के सोनेवानी क्षेत्र में भी सफारी शुरू करवाने, रास्तों का मरम्मत कार्य एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए अन्य व्यवस्था सोनेवानी वन प्राणी अनुभव क्षेत्र में उपलब्ध करवाने की मांग की है।

रास्तों की मरम्मत, डस्टबीन और शौचालय की व्यवस्था की उठी मांग

संगठन ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि आगामी 1 अक्टूबर से सभी नेशनल पार्कों में जंगल सफारी शुरू हो जायेगी। इसी तरह लालबर्रा क्षेत्र के सोनेवानी वनप्राणी अनुभव क्षेत्र (कंजेर्वेशन एरिया) में पर्यटकों के लिए जंगल सफारी 1 अक्टूबर से शुरू की जाये। ताकि पर्यटक उक्त क्षेत्रों का जिप्सी के माध्यम से भ्रमण कर बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों का दीदार कर सके। साथ ही वनप्राणी अनुभव क्षेत्र में सफारी शुरू करने से पूर्व जंगल के अंदर के भ्रमण क्षेत्र के मुख्य रास्तों एवं सड़कों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने। इसके अलावा पर्यटकों के रूकने के स्थलों पर स्वच्छता बनाये रखने के उद्देश्य से डस्टबीन (कचरा घर) तथा फ्रेश होने के लिए शौचालय व बाथरूम जैसी मूलभूत सुविधाओं का अविलंब प्रबंध किये जाने की मांग शामिल है। वहीं संघ ने वन विभाग से स्पष्ट अनुरोध किया है कि सोनेवानी वन भ्रमण क्षेत्र में बाहरी वाहनों एवं निजी वाहनों तथा छोटे वाहनों के प्रवेश पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाये। साथ ही सोनेवानी के तीनों प्रमुख गेट है जिसमें रमरमा, अंतरा, नवेगांव में लगभग 55 से 60 जिप्सी उपलब्ध है। इन्हीं पंजीकृत जिप्सियों को ही क्षेत्र में पर्यटकों को भ्रमण कराने की अनुमति प्रदान करने की मांग वन विभाग से की है। वहीं ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग की गई है कि पर्यटकों की सुरक्षा और सही मार्गदर्शन के लिए वन क्षेत्र में प्रशिक्षित गाइडों की समुचित व्यवस्था की जाने। साथ ही भ्रमण क्षेत्र के नियमों का कड़ाई से पालन कराने हेतु वाहन चालकों और गाइडों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की भी मांग की है। इस तरह से अब तीन महीने बाद 1 अक्टूबर से सोनेवानी वनप्राणी अनुभव क्षेत्र का गेट खुलने वाला है, जिसके बाद क्षेत्र के पर्यटक उक्त जंगल क्षेत्र का कम खर्च पर भ्रमण कर बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों का दीदार करेंगें। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, वाईल्ड लाइफ वाहन संचालक संघ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, सचिव राजीक मंसूरी, सदस्य जावेद खान, फैयाजुद्दीन हन्फी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सोनेवानी में पर्यटकों को सुविधा देने सीसीएफ, डीएफओं से की है मांग - अनीस

विधायक प्रतिनिधि, वनप्रेमी, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि बालाघाट जिले का चर्चित पर्यटक स्थल लालबर्रा सोनेवानी फॉरिस्ट रिजर्व कंजर्वेटर पर्यटकों के लिए आगामी माह से खुल जायेगा। जहां पर पर्यटक बाघ, तेंदुआ, बायसन, सांभर, चीतल, मोर सहित वन्य जीव का दीदार कर सकेंगे। सोनेवानी वनप्राणी अनुभव क्षेत्र खुलने के पूर्व सोमवार को जिप्सी चालक संगठन लालबर्रा एवं वनप्रेमियों के द्वारा बालाघाट मुख्य वन संरक्षक तथा वन मंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट को ज्ञापन सौंपा है। श्री खान ने बताया कि वन विभाग के सीसीएफ, डीएफओं को सोनेवानी वनप्राणी अनुभव क्षेत्र सोनवानी, सिलेझरी, चिखलाबड्डी, नवेगांव में वॉशरूम (शौचालय), रेस्ट स्थान बनाये जाने, सड़कों की मरम्मत, घाट पोर्शन में सीमेंट सड़क, रपटा, पुलिया कार्य करवाने, सड़कों के किनारे से झाड़ियों की सफाई करवाने की मांग की है। जिस पर वन विभाग के उच्चाधिकारियों ने आश्वस्त किया गया है कि उक्त कार्य विभाग द्वारा करवाये जायेगें। वहीं 1 अक्टूबर से सभी नेशनल पार्कों में जंगल सफारी शुरू हो जायेगी, हमारी भी मांग है कि 1 अक्टूबर से सोनेवानी जंगल भ्रमण शुरू की जाये। लेकिन 15 अक्टूबर से खुलना संभावित माना जा रहा है।

जाम सहकारी समिति की 116 वीं वार्षिक आमसभा हुई

किसानों के हित में अनेक वित्तीय, बीमा एवं कृषि योजनाओं का हुआ अनुमोदन, बेहतर ब्याज दर एवं बीमा सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र की प्रतिष्ठित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित जाम की 116 वीं वार्षिक आमसभा गत दिवस गरिमामय वातावरण के बीच संपन्न हुई।

कार्यक्रम की शुरूआत उपस्थित किसान सदस्यों की सर्वसम्मति से मनोनीत अध्यक्ष रतिराम बाहेश्वर की अध्यक्षता में माँ सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण, पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जिसके बाद संस्था के प्रबंधक, पर्यवेक्षक डी. के. लिल्हारे के द्वारा आमसभा की कार्यवृत्त से लेकर बिंदु क्रमांक 1 से 8 तक के प्रतिवेदन एवं प्रस्ताव बारी-बारी से पढ़कर सुनाये। वहीं उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्तुत बिंदुओं का अनुमोदन किया। इस दौरान आगामी वित्तीय वर्ष के लिए समिति की विस्तृत कार्ययोजना तथा वर्ष 2027-28 हेतु 153.18 लाख के बजट का अनुमोदन किया गया। वहीं संस्था द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों जैसे ऋण वितरण, ऋण वसूली, बचत संग्रहण, खाद-बीज वितरण, सी.एस.सी. तथा एम-मार्ट (कीटनाशक दवाएं एवं खरपतवार नाशक) की समीक्षा की गई एवं सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गई। जिसमें किसानों को बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 18 से 70 वर्ष के कृषक मात्र 20 रूपये प्रतिवर्ष की प्रीमियम पर 2 लाख का दुर्घटना बीमा, प्रधानमंत्री जीवन 'योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष के कृषकों हेतु 436 रूपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख का जीवन बीमा किया जायेगा। असमयिक मृत्यु होने पर आश्रितों को 2 लाख की क्लेम राशि दी जायेगी। साथ ही नैनो यूरिया/डीएपी या इफको खाद (यूरिया, डीएपी, 20-20-0-13, एनपीके) की बोरी/बोतल खरीदने पर 10 हजार रूपये का दुर्घटना बीमा (अधिकतम 2 लाख तक) स्वत: लागू। कृषक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उत्तराधिकारी को क्लेम राशि प्रदाय की जाती है। इसके अलावा अन्य जानकारियां किसानों को दी गई। वहीं प्रबंधक डी. के. लिल्हारे ने उपस्थित सभी कृषक सदस्यों से अपील की है कि वे अपनी बचत व पूंजी सहकारी समिति अथवा बैंक शाखा में जमा कर आकर्षक ब्याज दरों का लाभ उठाये तथा शासन की जनकल्याणकारी बीमा योजनाओं से जुड़कर अपने परिवार को सुरक्षित करें। इस अवसर पर मनोनित अध्यक्ष रतिराम बाहेश्वर, यशवंत बिसेन, गुरूप्रसाद बिसेन, देवराज ठकरेले, रंगलाल लिल्हारे, सत्यनारायण श्रीवास, गुलाबचंद तुलसीकर, धनेन्द्र गौतम, भीवराम मानेश्वर, कोल्हूराम लिल्हारे, मक्खन बलोने, सरपंच सुरेन्द्र बलोने, संस्था के कर्मचारी भवनलाल नगपुरे, नुपेंद्र रहांगडाले, राजेश लिल्हारे, वेदप्रकाश नगपुरे, गणेशप्रसाद चौहान, कोमलप्रसाद बसेने, रूपलाल नगपुरे, कमलेश नगपुरे, शैलेष लिल्हारे, राजकुमार कावरे, देवीप्रसाद डहारे सहित बड़ी संख्या में कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

लालबर्रा बहुउद्देशीय प्राथ. साख सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में सोमवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक साख सहकारी समिति लालबर्रा की वार्षिक आमसभा संपन्न हुई। यह कार्यक्रम समिति के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा के मुख्य आतिथ्य, प्रबंधक एचसी बोपचे की अध्यक्षता सहित अन्य समिति के पदाधिकारियों व कृषकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। जिसके बाद संस्था के सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे के द्वारा सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष 2027-28 के लिए तैयार किये गये अनुमोदन, संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन करने, शुध्द लाभ के व्ययन के लिये विचार, आगामी सहकारी वर्ष 2027-2028 के लिए बजट प्रस्तुत करने, वित्तीय वर्ष 2025-26 में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने, लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने सहित अन्य बिन्दुओं पर पढ़कर सुनाया गया और अन्य जानकारियां उपस्थित किसानों को दी। वहीं लालबर्रा बहुउद्देशीय प्राथमिक साख सहकारी समिति का वर्ष लाभ 43.43 लाख एवं संचित लाभ 193.71 लाख रूपये है इस तरह से समिति लाभ में चल रही है। वहीं आगामी वर्ष 2027-28 के लिए 128.23 लाख रूपये का बजट स्वीकृत किया गया है। साथ ही इस वार्षिक आमसभा में किसानों को सहकारी विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई और फसल में कौनसी रसायनिक खाद डालना है उसके बारे में बताया गया। साथ ही किसानों को फसल बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, मत्स्य पालन, पशुपालन ऋण की जानकारी दी गई और उक्त योजनाओं का लाभ लेने किसानों को प्रेरित किया गया। चर्चा में समिति के सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे ने बताया कि समिति की वार्षिक आमसभा सोमवार को आयोजित की गई, जिसमें किसानों को समिति की वार्षिक आमसभा के 8 बिन्दुओं को पढ़कर सुनाया गया और समिति किस तरह से लाभ पर चल रही है उससे अवगत करवाया गया है। श्री बोपचे ने बताया कि आगामी वर्ष 2027-28 हेतु अनुमानित बजट 128.23 लाख का स्वीकृत किया गया है जो आगामी वर्ष में संस्था को 14.42 लाख अनुमानित लाभ होने की संभावना है। साथ ही उपस्थित किसानों को संस्था से संबंधित कार्यों, ऋण वितरण, वसूली, खाद बिक्री, खाद्यान्न बिक्री, बचत बैंक, अमानत संग्रहण आदि की जानकारी दी गई। इस अवसर पर देवीराम माने, नेतलाल बिसेन, गिरीश पाठक, मनीराम भोयर, तुलसीराम बोपचे, प्रसन्न अवधिया, संजू अवधिया, संतोष बिसेन, रत्नेश शुक्ला (इफको प्रतिनिधि), श्रीमती प्रतिभा रंगारे (कृषि विस्तार अधिकारी), जितेन्द्र जिजोते (फसल बीमा प्रतिनिधि), डीके लिल्हारे पर्यवेक्षक, रतिराम पांचे, कत्तुलाल कावरे, गोसाराम कटरे, मोहनलाल माने, भोजलाल हरिनखेड़े, बालाप्रसाद सोनवाने, एमएल तिवारी, पीएस भंडारकर, कमल शांडिल्य सहित समिति के प्रबंधक, कर्मचारीगण एवं कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाये जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में सोमवार को भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के मुख्य आतिथ्य, स्कूल प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता एवं भाजपा मोर्चा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संजू अवधिया, सोशल मीडिया जिला सहसंयोजक गौरव ठाकुर एवं प्रशांत जैन के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं ने 'विकसित भारत 2047' सहित विभिन्न राष्ट्र निर्माण के विषयों पर भाषण दिये और आकर्षक चित्रकला बनाकर अपनी कलात्मक प्रस्तुति दी। वहीं उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं उत्साह की सराहना भी की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि छात्र-छात्राओं की यह शानदार प्रस्तुतियां राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाती हैं। युवा शक्ति की यही प्रतिभा और संकल्प आगे चलकर विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और विद्यार्थियों को लगन के साथ पढ़ाई कर अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बघोली में माँ अंबिका देवी जागरण कल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली के इंडिया गेट पर श्री गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। वहीं इस दौरान रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही 23 सितंबर को रात 8 बजे से माँ अंबिका देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर 23 सितंबर को रात 8 बजे से देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रसिध्द चिरंजीव रिनायत म्यूजिकल माँ अंबिका देवी जागरण ग्रुप के कलाकारों द्वारा संगीतमय भजनों की विशेष प्रस्तुतियां दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी संदीप अक्कू चौधरी, नवीन बिसेन, सचिन टेम्भरे, भरत यादव, परेंद्र कटरे, राजेश केकती एवं मुकेश भगत सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

सिंगोड़ी के पास सड़क बेहद जर्जर
जानलेवा गड्ढों से हादसे की आशंका
अस्थायी लीपापोती से आक्रोशित ग्रामीणों ने उठाई डामरीकरण की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से रामपायली हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम सिंगोड़ी बस स्टैंड के समीप मुख्य सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय और जानलेवा बनी हुई है। करीब २०० मीटर के दायरे में बने बड़े.बड़े गड्ढों के कारण राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर हर समय भीषण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। जिससे स्थानीय लोग और वाहन चालक जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं।

वन.वे बनी सड़क अचानक दिशा बदलने से दुर्घटनाएं

सिंगोड़ी बस स्टैंड के पहले मौके पर सड़क का आधा हिस्सा पूरी तरह से खराब हो चुका है जहां से नुकीली गिट्टियां बाहर निकल आई हैं। गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने के कारण चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता। इससे बचने के चक्कर में एक ओर से आने वाले वाहन चालक अचानक अपनी साइड बदलकर दूसरी तरफ चले जाते हैं। जिससे अचानक वन वे जैसी स्थिति बन जाती है। इस वजह से कई बार आमने सामने से आ रहे वाहनों में भिड़ंत हो जाती है,तो वहीं कई मोटरसाइकिलें अनियंत्रित होकर स्लिप हो चुकी हैं। संबंधित विभाग के द्वारा समय समय पर मरम्मत के नाम पर केवल कच्चा मटेरियल गिट्टी डालकर गड्ढों को भर दिया जाता है। बारिश के पानी के साथ यह मटेरियल बह जाता है और स्थिति फि र जस की तस हो जाती है। बीते एक महीने से इस स्थान की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि आए दिन गाडियां फंस रही हैं। पक्का डामरीकरण नहीं किए जाने से ग्रामीणों और राहगीरों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। यह मार्ग मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को जोड़ने वाला एक प्रमुख अंतरराज्यीय मार्ग है जिस पर दिन रात छोटे.बड़े वाहनों के साथ ट्रकों, ट्रैक्टरों, डंपरों और यात्री बसों की आवाजाही बनी रहती है। साथ ही आस पास की एक दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों के ग्रामीणो और रोजाना स्कूल कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी अपने दैनिक कार्यों के लिए इसी मार्ग से गुजरते हैं। बार बार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि कच्चे मटेरियल से लीपापोती करने के बजाय उक्त २०० मीटर के क्षेत्र में डामर के पक्के पैच वर्क लगाकर सड़क की स्थाई मरम्मत कराई जाए ताकि किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

सड़क के जर्जर होने से हो रही दुर्घटनाएं -खुमेश कावरे

ग्रामीण खुमेश कावरे ने बताया कि हमारे यहां रोड़ की समस्या है कुछ दूरी में बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं। जहां पर हादसे होने की संभावना बनी हुई है दुर्घटनाएं हो भी रही हैं क्योंकि जो गड्ढे है उसमें विभाग कच्चा मटेरियल डाल देता है और फिर चले जाता है। एक सप्ताह में फि र पहले जैसी स्थिति हो जाती है अभी बीच में भी इन गड्ढों को भर गया था फिर यह खराब होकर दिक्कत हमेशा बनी हुई है। अभी कुछ दिन पहले एक मोटरसाइकिल वाले को बचाने में कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई जिसका टायर फट गया। जबकि यह रोड़ हर समय चलती रहती है यातायात भी बहुत बना रहता है तो समय पर इसकी देखरेख होनी चाहिए।

सड़क की जर्जर हालत से सभी को हो रही परेशानी-सूरज हरदे

ग्रामीण सूरज हरदे ने बताया कि यहां पर एक्सीडेंट होते रहते हैं २०० मीटर की दूरी है जो पूरा सड़क खराब है जिसे बेहतर रिपेयरिंग की जरूरत है। यह वारासिवनी बालाघाट से नागपुर जाने वाला हाईवे मार्ग है यहां डामर बिछाया जाना चाहिए तो कच्चा माल डाल दिया जाता है। आने जाने वालों को बेहद परेशानी हो रही है गिट्टी सड़क पर आ रही है रोड़ का आधा भाग ही चलने लायक है जिसमें अचानक वाहन आने से दिक्कत होती है। शाम के समय बहुत ज्यादा दिक्कत हो जाती है रात्रि में गड्ढे समझ नहीं आते अभी तक कोई बड़ा हादसा हुआ नहीं है परंतु विभाग रास्ता देख रहा है ऐसा प्रतीत हो रहा है। यदि विभाग गंभीर होता तो वह व्यवस्थित रूप से इसका पक्का पैच वर्क करवाता।

खैरलांजी में जगह-जगह विराजे गणपति पंडालों में उमड़ रहे श्रद्धालु
सालेटेका रोड़ की १५ फीट प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। गणेश चतुर्थी के अवसर पर खैरलांजी नगर में जगह जगह भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। प्रमुख चौक.चौराहों और विभिन्न पंडालों में सुबह.शाम आरती एवं पूजा अर्चना का दौर जारी है। गणेश उत्सव समितियों के सदस्य क्षेत्र में सुख.शांति समृद्धि और अच्छी फसल की कामना कर रहे हैं। नगर के सालेटेका रोड़ स्थित सांदीपनि विद्यालय के सामने मानवता गणेश उत्सव समिति द्वारा करीब १५ फ ीट ऊंची भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है। आकर्षक साज सज्जा के साथ स्थापित यह प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसी तरह खैरलांजी के गांधी चौक में नव युवक गणेश उत्सव समिति के द्वारा गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां भी प्रतिदिन आरती पूजा.अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नगर के अन्य चौक चौराहों पर भी गणेश प्रतिमाएं विराजमान हैं। गणेश उत्सव को लेकर नगर में भक्तिमय माहौल है। पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है और गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गूंज रहे है। दस दिवसीय उत्सव के बाद २५ सितंबर को भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विधि.विधान एवं श्रद्धा के साथ विसर्जन किया जाएगा।

क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जा रहा गणेश उत्सव
विभिन्न आयोजनों में शामिल हुए विधायक गौरव पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। गणेश उत्सव को लेकर कटंगी क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। नगर एवं ग्रामों में जगह जगह भगवान गणेश जी की प्रतिमाएं श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विराजित की गई हैं। विभिन्न गणेश उत्सव समितियों के द्वारा धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने ग्राम उमरी, तिरोड़ी,डोंगरिया ,खैरलांजी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचकर सहभागिता की। विधायक श्री पारधी ने ग्राम उमरी में आयोजित भजन संध्या में शामिल होकर श्रद्धालुओं के साथ भक्तिमय वातावरण में सहभागिता की। इसके बाद तिरोड़ी के गुजरी चौक एवं महादेव चौक में स्थापित भगवान कार्तिक गणेश के दर्शन पूजन किए तथा गणेश उत्सव में शामिल हुए। वहीं डोंगरिया ,खैरलांजी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महादेव चौक वार्ड क्रमांक १० तिरोड़ी में ठेका श्रमिक परिवारों के द्वारा आयोजित भगवान कार्तिक गणेश उत्सव में विधायक श्री पारधी ने भगवान कार्तिक गणेश जी के दर्शन पूजन कर क्षेत्रवासियों की सुख.समृद्धि की कामना की। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों एवं उपस्थित माताओं बहनों से आत्मीय मुलाकात की। कार्यक्रम में तिरोड़ी मंडल प्रभारी वरुण देशमुख, भाजपा तिरोड़ी मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख, मिहिर तिरोड़ी,मुखरी रौतेल,रविन्द्र मनसुख कठौते, श्रीमती शेंडे,निलेश शेंडे ,गणेश भरोसे उपस्थित रहे। समिति सदस्यों एवं श्रद्धालुओं द्वारा विधायक श्री पारधी एवं अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ग्राम नंदलेसरा में आयोजित भक्तिमय शिव महापुराण कथा में भी शामिल हुए। उन्होंने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किया तथा कथावाचक गुरुदेव का अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भगवान महादेव से समस्त ग्रामवासियों के सुखए शांति समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

प्रदेश सरकार सोसायटियों के माध्यम से ही समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी करेगी-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बकोडी और बकोडी के स्कूल टोली में विराजीत श्रीगणेश प्रतिमा की आराधना कर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किसानों को मार्गदर्शित कर अफवाहों के सम्बंध में सच्चाई से अवगत कराया। किसानो से लंबे समय तक चर्चा कर उन्होने प्रदेश सरकार की योजनाओं की विस्तार से जानकारी देकर सरकार को किसानो का हितैषी करार दिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की किसानो और पर्यावरण का सम्बंध गहरा,सीधा और एक दूसरे का पूरक है। किसान अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर प्रकृति पर निर्भर है। पर्यावरण का स्वास्थ्य कृषि की सफलता तय करता है। आज पर्यावरण के बढ़ते तापमान के विषय में हम सभी को अवश्य चिंतन करना पड़ेंगा। श्री जायसवाल ने किसानों को सच्चाई से अवगत कराते हुये जानकारी भी दी की हमे किसी भी तरह की अफवाहों में नही आना है। प्रदेश सरकार पूर्व की तरह इस साल भी सोसायटियों के माध्यम से धान की खरीदी कर रही है। इसके लिए पंजीयन की तारीख भी सार्वजनिक कर दी गयी है। इस दौरान दिनेश डोहरे,आनंद बंसोड़, रामदयाल गौतम, ताराचंद कुशराम, कैलाश जैतवार,गज्जू सहारे, झिंगु राणा, खत्रा भोयर, दीपक बंसोड़, दीपक भोयर, राजू बिजेवार,चित्रेश बिसेन,विनोद मिश्रा मौजूद रहे।

किसान गर्जना संगठन द्वारा भावांतर योजना के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन को मिली बड़ी सफलता-रामकुमार नगपुरे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। धान उत्पादक किसानों के हित में किसान गर्जना संगठन द्वारा भावांतर भुगतान योजना के खिलाफ चलाए जा रहे लगातार आंदोलन को बड़ी सफ लता मिली है। बालाघाट की धरती से उठी किसानों की आवाज अब राजधानी भोपाल तक गूंज चुकी है। किसान गर्जना संगठन के लगातार विरोध ज्ञापन किसान सभाओं और प्रेसवाताओं के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा सतना के कृषि महोत्सव में भावांतर व्यवस्था को लेकर की गई घोषणा को संगठन अपनी बड़ी जीत मानता है। किसान गर्जना संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सरकार ने जब सिवनी में धान महोत्सव के दौरान भावांतर योजना की घोषणा की थी। तभी संगठन ने स्पष्ट कर दिया था कि धान उत्पादक किसानों के लिए यह व्यवस्था स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके बाद किसान गर्जना संगठन ने बालाघाट से अभियान प्रारंभ किया और बालाघाट, वारासिवनी, लालबर्रा, कटंगी, किरनापुर सहित सिवनी जिले के बरघाट क्षेत्र तक लगातार किसानों को संगठित कर आवाज बुलंद की। जगह जगह प्रेसवार्ता कर किसान बैठकें और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर सरकार से भावांतर योजना वापस लेने तथा सहकारी समितियों के माध्यम से पूर्व व्यवस्था के अनुसार धान खरीदी शुरू करने की मांग की गई। जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा कि किसान गर्जना संगठन ने सरकार को पहले ही चेतावनी दी थी कि धान उत्पादक किसान के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसानों को अपनी धान बेचने के लिए लंबी दूरी की मंडियों में भेजना, परिवहन का अतिरिक्त खर्च बढ़ाना और भुगतान व्यवस्था को लेकर किसानों के मन में पैदा हुई आशंकाओं को संगठन ने लगातार सरकार के सामने रखा। श्री नगपुरे ने कहा कि सरकार के वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों तक भी किसानों की नाराजगी पहुंची। किसान गर्जना की लगातार मुहिम ने सरकार को यह संदेश दे दिया कि यदि किसानों की बात नहीं सुनी गई तो गांव गांव से विरोध की आवाज और तेज होगी। श्री नगपुरे ने कहा कि सिवनी में जिस मंच से भावांतर योजना की घोषणा की गई थी। किसान गर्जना संगठन ने उसी समय मांग की थी कि किसानों के बड़े कार्यक्रम में सरकार इस व्यवस्था को वापस लेने और समर्थन मूल्य पर खरीदी की स्पष्ट घोषणा करें। संगठन की मांग के बाद सतना के कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री के द्वारा किसानों के हित में की गई घोषणा को किसान गर्जना किसानों की एकजुटता और संघर्ष की जीत मानता है। श्री नगपुरे ने कहा. कि यह किसी एक व्यक्ति की जीत नहीं है। यह बालाघाट, सिवनी और पूरे प्रदेश के उन धान उत्पादक किसानों की जीत है जिन्होंने किसान गर्जना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आवाज उठाई। सरकार को किसानों की ताकत समझ में आ गई है। किसान गर्जना संगठन ने स्पष्ट किया है कि भावांतर के मुद्दे पर मिली सफलता के बाद अब संगठन की अगली प्राथमिकता धान की खरीदी ३१०० प्रति क्विंटल की दर से सुनिश्चित करवाना है । श्री नगपुरे ने कहा कि किसानों से किए गए वादे को पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है। भावांतर के खिलाफ हमारी आवाज सुनी गई है, अब ३१०० की मांग पर भी सरकार को अपना वादा निभाना होगा। किसान गर्जना संगठन तब तक किसानों की आवाज उठाता रहेगा , जब तक धान उत्पादक किसान को उसकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिलता। किसान गर्जना संगठन ने साबित कर दिया है कि जब किसान संगठित होकर अपनी बात मजबूती से रखता है तो सरकार को भी किसानों की आवाज सुननी पड़ती है।

महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. भोपाल एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी म.प्र. राज्य शाखा भोपाल तथा सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से१७ सितबंर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती २ अक्टूबर २०२६ के अवसर पर एक माह की अवधि हेतु सेवा संकल्प अभियान आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया हैं। उक्त कार्यक्रम अंतर्गत २१ सितबंर २०२६ को इंदिरा कक्ष में सेवा जनकल्याणकारी योजना एवं विकसित भारत २०४७ थीम पर आधारित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन प्रभारी प्राचार्य एस एस गेडाम के मार्गदर्शन,कृष्णा पराते नोडल अधिकारी विकास साहू संयोजक तथा योगेश बिसेन सह संयोजक एवं कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती सविता सेनवार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में १० प्रतिभागी एवं भाषण प्रतियोगिता में ६ प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया एवं उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्य विजय दांदरे, अनुष्का सोनी ,संतोष बिसेन, तपेश चौरे, संतोष गोखले, श्रीमती मोनिका सोनी का विशेष सहयोग रहा एवं कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं अधिक संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

धर्म, स्त्री समानता और अक्षरधाम की परम्पराएं

किसी धार्मिक संस्था की पहचान केवल उसके भव्य मंदिरों और सामाजिक सेवाओं से नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह स्त्री को किस दृष्टि से देखती है। एक स्वतंत्र चेतना, समान अधिकारों वाली मनुष्य या निर्धारित धार्मिक भूमिकाओं तक सीमित व्यक्तित्व के रूप में। बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) अर्थात बाप्स के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसकी धार्मिक-सांस्कृतिक उपस्थिति भारत से बढ़ते हुए अमेरिका, लंदन, संयुक्त अरब अमीरात और दुनिया के अनेक देशों तक विस्तृत हो चुकी है। बाप्स की परंपरा भगवान स्वामीनारायण के सामाजिक सुधारों, महिला-केंद्रित गतिविधियों और स्त्री-पुरुष के लिए पृथक धार्मिक व्यवस्थाओं से जुड़ी रही है। संस्था महिलाओं के सम्मान, सेवा और सशक्तीकरण को महत्व देने का दावा करती है। उसके विभिन्न केंद्रों में महिलाओं के लिए धार्मिक सभाएँ, सांस्कृतिक आयोजन और सामाजिक गतिविधियाँ संचालित होती हैं। किंतु स्त्री विमर्श का प्रश्न केवल महिला सहभागिता तक सीमित नहीं है। वह यह भी पूछता है कि क्या महिलाओं को निर्णय लेने, नेतृत्व करने और अपनी स्वतंत्र पसंद के अनुसार जीवन जीने के समान अवसर प्राप्त हैं। महिला की सुरक्षा और महिला की स्वायत्तता , दोनों महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दोनों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। स्वैच्छिक धार्मिक अनुशासन व्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा हो सकता है , परंतु किसी महिला की पेशेवर भूमिका या सार्वजनिक उपस्थिति को केवल उसके लिंग के आधार पर सीमित करना समानता और स्त्री गरिमा का प्रश्न खड़ा करता है। बाप्स का वैश्विक विस्तार इस विमर्श को और महत्वपूर्ण बनाता है। अमेरिका में उसके अनेक मंदिर और सामुदायिक केंद्र हैं। लंदन का निस्डेन मंदिर ब्रिटेन में उसकी प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान है। अबू धाबी का बाप्स हिन्दू मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय धार्मिक विरासत की उपस्थिति का उदाहरण है। भारत में उसके मंदिर और सामाजिक गतिविधियाँ लंबे समय से सक्रिय हैं। इन देशों के अलग-अलग कानूनी और सामाजिक संदर्भों में संस्था के लिए चुनौती यह है कि वह अपनी धार्मिक परंपराओं को बनाए रखते हुए स्थानीय नागरिक अधिकारों और स्त्री समानता के सिद्धांतों के साथ किस प्रकार संवाद स्थापित करती है। सितंबर 2026 में पेरिस के एफिल टावर पर बाप्स से जुड़े प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने को लेकर विवाद सामने आया। कर्मचारी प्रतिनिधियों के अनुसार, कुछ महिलाओं को प्रतिनिधिमंडल के सामने आने से दूर रखने के लिए ड्यूटी चार्ट बदला गया, जिसके बाद कर्मचारियों ने इसका विरोध स्त्री समानता के मुद्दे को लेकर किया और इससे एफिल टावर का संचालन प्रभावित हुआ। बाप्स ने महिलाओं को ड्यूटी से हटाने संबंधी निवेदन करने से इनकार किया तथा जन सामान्य को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया। पेरिस प्रशासन ने प्रकरण की जांच की बात कही। इस घटना ने धार्मिक अपेक्षाओं, सार्वजनिक संस्थान की जिम्मेदारी और कार्यस्थल पर लैंगिक समानता के प्रश्नों को सामने रखा। आरोपों की अंतिम पुष्टि और जिम्मेदारी का निर्धारण जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा। इस प्रसंग को किसी धर्म के विरुद्ध आरोप-पत्र के रूप में देखना उचित नहीं होगा। मूल प्रश्न यह है कि धार्मिक स्वतंत्रता और दूसरे व्यक्ति की समान गरिमा के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।

सऊदी बनाम हूती-छोटी ताकत ने कैसे हिला दी दुनियाँ की तेल व्यवस्था?

सऊदी बनाम हूती की जंग ने दुनिया को तेल संकट के मुहाने पर पहुंचाया! -तेल बाजार में तूफान -अमेरिका, चीन और भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती ?

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में सऊदी अरब और यमन के हूती संघर्ष ने अब केवल दो पक्षों की सैन्य लड़ाई का रूप नहीं रखा है, बल्कि इसका असर तेल, समुद्री व्यापार, वैश्विक महंगाई और भारत की ऊर्जा सुरक्षा तक पहुंच गया है।सऊदी अरब दुनियाँ के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में है और ऐसे समय में जब पहले से ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान ने ऊर्जा बाजार को दबाव में रखा हुआ है,हूतियों की लाल सागर के तट और बाब-अल- मंदेब के आसपास बढ़त ने दूसरा बड़ा जोखिम खड़ा कर दिया है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सऊदी अरब का तेल उत्पादन फरवरी के लगभग 10.9मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर अगस्त में 6.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन रह गया था,यानी करीब 4.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गिरावट और तीन दशक से अधिक समय का न्यूनतम स्तर।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यही कारण है कि अब सवाल केवल यह नहीं है कि सऊदी बनाम हूती में कौन सैन्य रूप से मजबूत है,बल्कि यह है कि यदि तेल उत्पादन, निर्यात और समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहे तो विश्व अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी ऊर्जा चुनौती का सामना करेगी। इस पूरे संकट में 15 सितंबर 2026 को मक्का के निकट ड्रोन इंटरसेप्शन ने राजनीतिक और धार्मिक संवेदनशीलता को और बढ़ा दिया। सऊदी नेतृत्व के अनुसार उसकी वायु रक्षा ने मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को उस समय नष्ट किया जब वह पवित्र शहर के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाया था। सऊदी पक्ष ने इसे बेहद गंभीर मामला बताते हुए मक्का और दोनों पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा को रेड लाइन बताया। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट रखना जरूरी है।हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से साफ इनकार किया और कहा कि उनके हमलों का लक्ष्य सऊदी तेल प्रतिष्ठान और सैन्य ठिकाने हैं। इसलिए मक्का को जानबूझकर निशाना बनाया गया था या नहीं, यह दोनों पक्षों के परस्पर विरोधी दावों के बीच विवादित है। भारत ने भी बाद में सऊदी क्षेत्र और मक्का के निकट कथित हमले की निंदा की। साथियों,अब सवाल है कि सऊदी अरब जैसी विशाल सैन्य क्षमता वाला देश हूतियों से परेशान क्यों है? इसका उत्तर पारंपरिक सेना की संख्या में नहीं,बल्कि युद्ध की प्रकृति में छिपा है।सऊदी अरब के पास आधुनिक लड़ाकू विमान,मिसाइल डिफेंस और विशाल रक्षा बजट है, लेकिन हूती कम लागत वाले ड्रोन,मिसाइल, मोबाइल लॉन्चर,असममित युद्ध रणनीति और कठिन यमनी भूगोल का इस्तेमाल करते हैं।यानें एक महंगे इंटरसेप्टर से एक अपेक्षाकृत सस्ते ड्रोन या मिसाइल को रोकना आर्थिक रूप से भी भारी पड़ सकता है। इसके अलावा हूती विरोधी यमनी गुटों में विभाजन और हाल के वर्षों में क्षेत्रीय समर्थन के कमजोर पड़ने ने जमीन पर उनकी चुनौती बढ़ाई है। मीडिया के अनुसार वर्षों की अमेरिकी, सऊदी और अन्य सहयोगी सैन्य कार्रवाई के बावजूद हूतियों ने अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमता तथा संगठनात्मक ताकत बनाए रखी है इसीलिए सऊदी बनाम हूती, कौन कितना ताकतवर? का सीधा उत्तर देना भ्रामक होगा। पारंपरिक वायुसेना,रक्षा प्रणालियों और आर्थिक संसाधनों में सऊदी अरब और हूती बराबर नहीं हैं; लेकिन हूतियों की ताकत उनकी कम लागत वाली असममित युद्ध क्षमता,मिसाइल-ड्रोन भंडार, स्थानीय नेटवर्क, कठिन भूगोल और समुद्री चेकपॉइंट तक पहुंच में है। हाल के दिनों में हूतियों ने लाल सागर के यमनी तट पर तेजी से बढ़त बनाई और बाब-अल-मंदेब के आसपास रणनीतिक स्थिति मजबूत की है। इसी कारण एक अपेक्षाकृत छोटा गैर-राज्य सैन्य संगठन दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता हासिल कर रहा है। साथियों, सबसे बड़ा आर्थिक खतरा तेल है।सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन प्रतिदिन लगभग 4 मिलियन बैरल, यानी वैश्विक आपूर्ति के करीब 4 प्रतिशत, को लाल सागर के यानबू बंदरगाह तक पहुंचाने की क्षमता रखती है। सितंबर में इस पाइपलाइन के बंद होने से यानबू में उपलब्ध निर्यात योग्य स्टॉक केवल करीब पांच से सात दिनों के लिए होने की रिपोर्ट आई थी। रिटर्स ने यह भी बताया कि यदि पाइपलाइन शीघ्र चालू नहीं हुई तो वैश्विक बाजार से लगभग 4 प्रतिशत तेल आपूर्ति अस्थायी रूप से हट सकती है। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कुछ तेल को अपने पूर्वी तट के रास्ते भेजकर आपूर्ति संकट का दबाव कम किया, जिसके कारण तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई। इसलिए दुनिया में तुरंत तेल खत्म हो जाएगा कहना सही नहीं होगा,लेकिन लंबे व्यवधान की स्थिति में तेल बाजार में भारी सप्लाई शॉक पैदा होने का जोखिम वास्तविक है। साथियों, 20 सितंबर को रविवार होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में नया सामान्य कारोबारी सेटलमेंट नहीं हुआ। उपलब्ध अंतिम शुक्रवार के आंकड़े के अनुसार ब्रेन्ट क्रूड करीब 104.87 प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई करीब 100.30 प्रति बैरल पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान ब्रेन्ट 108- सऊदी बनाम हूती -छोटी ताकत ने कैसे हिला दी दुनियाँ की तेल व्यवस्था? -मिसाइलों से तेल तक मचा महासंकट ट्रंप,चीन और भारत के सामने चुनौतीपूर्ण अग्निपरीक्षा ? -समग्र व्यापक विश्लेषण 109 के आसपास भी पहुंचा था। इसलिए फिलहाल कीमत 100 के ऊपर बनी हुई है और आगे की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि सऊदी पाइपलाइन कितनी तेजी से बहाल होती है, लाल सागर में हमले कितने बढ़ते हैं और होर्मुज की स्थिति क्या रहती है।इसका भारत पर सीधा असर पड़ सकता है क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। महंगा ब्रेन्ट मतलब भारतीय रिफाइनरों के लिए महंगा कच्चा माल;लंबे समय तक कीमतें ऊंची रहने पर रुपये पर दबाव, आयात बिल में वृद्धि, चालू खाते पर असर, परिवहन लागत और अंततः पेट्रोल- डीजल से लेकर माल ढुलाई तथा कई वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि इसका असर तुरंत पेट्रोल पंप पर समान अनुपात में दिखाई देना जरूरी नहीं है, क्योंकि घरेलू ईंधन कीमतों में कर, विपणन मार्जिन, विनिमय दर और सरकारी नीतियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। 20 सितंबर को भारत में खुदरा पेट्रोल-डीजल दरें अधिकांश प्रमुख शहरों में स्थिर थीं, जबकि ब्रेन्ट 104 के नीचे सटीकता से कारोबार कर रहा था। साथियों,अब आता है अमेरिका का सवाल,सऊदी का दोस्त होने के बावजूद सीधे युद्ध में क्यों नहीं उतर रहा? रिपोर्टों के अनुसार सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हूतियों के खिलाफ प्रत्यक्ष अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन वॉशिंगटन ने सीधे हमले की अनुमति नहीं दी और इसके बजाय सऊदी को खुफिया जानकारी तथा टार्गेटिंग असिस्टेंस देने पर सहमति जताई। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि अमेरिका पहले से ईरान के साथ बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में उलझा है; हूतियों के खिलाफ नया प्रत्यक्ष मोर्चा खोलना संघर्ष को और फैलाने का जोखिम बढ़ा सकता है।यानें अमेरिका ने सऊदी सुरक्षा संबंध समाप्त नहीं किए हैं, बल्कि प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप और सहयोग के दूसरे स्तर के बीच अंतर रखा है।दिलचस्प बात यह है कि इसी बीच अमेरिका ने सऊदी अरब के लिए 48 एफ -35 लड़ाकू विमानों और 49 इंजनों समेत लगभग 24.3 अरब की संभावित बिक्री को मंजूरी दी है। लेकिन यह अंतिम डिलीवरी नहीं है,प्रस्ताव को अमेरिकी कांग्रेस की प्रक्रिया से गुजरना होगा और विमानों की वास्तविक आपूर्ति में वर्षों लग सकते हैं। इसलिए इसे वर्तमान हूती हमलों का तत्काल सैन्य समाधान समझना सही नहीं होगा; यह दीर्घकालीन सऊदी-अमेरिकी रक्षा संबंध और सऊदी सैन्य आधुनिकीकरण से जुड़ा कदम है। साथियों, जब अमेरिका प्रत्यक्ष युद्ध से दूरी रख रहा है तो सऊदी को चीन की जरूरत क्यों पड़ी? रिटर्स के अनुसार सऊदी अपील के बाद चीन ने निजी तौर पर ईरान से हूतियों पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उन्हें नियंत्रित करने में मदद करने को कहा। यह जानकारी तीन ईरानी सूत्रों के हवाले से सामने आई। चीन की चिंता केवल सऊदी नहीं है,उसका बड़ा आर्थिक हित लाल सागर, बाब-अल-मंदेब और मध्य-पूर्व की ऊर्जा आपूर्ति में है। चीन सार्वजनिक रूप से संयम और सुरक्षित नौवहन की अपील कर चुका है तथा 2023 में चीन ने ही सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंध सुधारने में मध्यस्थ भूमिका निभाई थी। इसलिए बीजिंग की भूमिका इस संकट में सैन्य नहीं बल्कि राजनयिक और आर्थिक लेवरेज की है।इसी संदर्भ में पाकिस्तान और तुर्की का सवाल भी महत्वपूर्ण है। सितंबर में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की से जुड़ा एक त्रिपक्षीय मक्का जॉइंट डिफेन्स एग्रीमेंट सामने आया,जिसमें एक सदस्य पर हमला सभी के लिए गंभीर सुरक्षा मामला माना गया। तुर्की के विदेश मंत्री ने कहा कि अंकारा सऊदी की तकनीकी सैन्य जरूरतों में मदद के लिए तैयार है, जबकि पाकिस्तान ने अपनी प्रतिबद्धता जताई लेकिन तत्काल प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई नहीं की। इसलिए यह कहना कि पाकिस्तान या तुर्की मदद नहीं कर रह, पूरी तरह सटीक नहीं होगा; फिलहाल उपलब्ध जानकारी प्रत्यक्ष युद्ध में प्रवेश के बजाय रक्षा-सहयोग और संभावित सहायता की ओर संकेत करती है। साथियों अंत में बाब-अल- मंदेब को समझना इस पूरे संकट की चाबी है।यह लाल सागर को अदन की खाड़ी और आगे हिंद महासागर से जोड़ने वाला लगभग 20 मील चौड़ा रणनीतिक समुद्री मार्ग है। इसके उत्तर में स्वेज नहर है, जिससे एशिया और यूरोप के बीच व्यापार जुड़ता है। सीए ?आर के अनुसार लाल सागर क्षेत्र से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 15-17 प्रतिशत गुजरता है और स्वेज नहर अकेले विश्व व्यापार के करीब 10-12 प्रतिशत का मार्ग है।यदि हूती गतिविधियां लंबे समय तक इस रास्ते को असुरक्षित करती हैं तो जहाजों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते मोड़ना पड़ सकता है,जिससे यात्रा समय, ईंधन और बीमा लागत बढ़ती है तथा वैश्विक वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ता है। अतः अगर हम अप्रोच पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 20 सितंबर 2026 की स्थिति को केवल सऊदी बनाम हूती युद्ध कहना अधूरा होगा।यह अब तेल उत्पादन, पाइपलाइन, लाल सागर, बाब-अल- मंदेब, होर्मुज, अमेरिका की सैन्य नीति, चीन की कूटनीति,ईरान के प्रभाव, पाकिस्तान- तुर्की की सुरक्षा भूमिका और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा बहुस्तरीय संकट है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

आस्था के रंग में सजा गणेशोत्सव का भव्य संसार

-कांतिलाल मांडोत

देशभर में गणेशोत्सव पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र में इस पर्व की छटा देखते ही बन रही है। मुंबई से लेकर जालना, पुणे और प्रदेश के अन्य शहरों तक गणपति पंडालों में उमड़ रही भीड़ आस्था की गहराई के साथ बदलते समय की रचनात्मकता को भी सामने ला रही है। गणेशोत्सव अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामूहिक उत्साह का बड़ा पर्व बन चुका है। मुंबई का लालबागचा राजा इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस वर्ष लालबागचा राजा गणेशोत्सव 14 सितंबर से 25 सितंबर तक मनाया जा रहा है। लालबागचा राजा के दर्शन के लिए आम श्रद्धालुओं के साथ फिल्म जगत और सार्वजनिक जीवन से जुड़े अनेक लोग भी पहुंचे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह, शिल्पा शेट्टी, किकू शारदा, मनोज जोशी और सयाजी शिंदे सहित कई कलाकारों ने गणपति के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शिल्पा शेट्टी परिवार के साथ गणपति उत्सव में शामिल हुईं, जबकि रणवीर सिंह भी लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचे। गणेशोत्सव की विशेषता यह है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई देती है। उद्योग जगत से गौतम सिंघानिया जैसे लोग भी लालबागचा राजा के दर्शन कर चुके हैं। क्रिकेट जगत में सूर्यकुमार यादव ने परिवार के साथ दर्शन किए और अपनी आस्था से जुड़े अनुभव साझा किए। मुंबई में गणपति उत्सव के दौरान अंबानी परिवार ने भी अपने निवास पर गणेशोत्सव मनाया। नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट सहित परिवार के सदस्यों ने उत्सव में भाग लिया। अभिनेता शाहरुख खान भी अंबानी परिवार के गणपति समारोह में शामिल हुए। विसर्जन के अवसर पर भी मुंबई में फिल्म और उद्योग जगत से जुड़े अनेक लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ दिखाई दिए।

भक्ति के साथ भव्यता और रचनात्मकता का संगम

गणेशोत्सव की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण पंडालों और प्रतिमाओं में दिखाई देने वाली रचनात्मकता भी है। महाराष्ट्र के जालना में श्री अनोखा गणेश मंडल ने 108 किलो चांदी से बनी तथा सोने की परत से सजी गणेश प्रतिमा स्थापित की है। इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई गई है। प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मुंबई के जीएसबी सेवा मंडल की गणेश प्रतिमा भी सोने-चांदी की भव्य सजावट के कारण आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष वहां प्रतिमा को 66 किलो सोने और 335 किलो चांदी के आभूषणों से सजाया गया है। भव्यता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी गणेशोत्सव में दिखाई दे रहा है। हैदराबाद में राम सेतु की थीम पर 14.5 फीट ऊंची पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा बनाई गई है। महाराष्ट्र के वाशिम में सुपारी, सौंफ और पान में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा तैयार की गई। विजयवाड़ा में हजारों टॉफियों, जेली कैंडी, चॉकलेट और रंग-बिरंगे लॉलीपॉप से गणेश प्रतिमा बनाकर युवाओं ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय दिया। सूरत में गणेशोत्सव के दौरान विश्व कप और क्रिकेट की थीम पर तैयार पंडाल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। पंडाल को छोटे क्रिकेट स्टेडियम का रूप दिया गया, जिसमें पिच, फ्लडलाइट और विकेट जैसी सजावट की गई। जबलपुर में गणपति को राजस्थानी राजाओं के रूप में सजाकर ऊंट पर विराजमान किया गया। कहीं धार्मिक कथाओं को पंडाल का आधार बनाया गया तो कहीं सामाजिक संदेशों को गणपति उत्सव से जोड़ा गया। यह विविधता बताती है कि परंपरा के साथ नई पीढ़ी अपनी कल्पना भी जोड़ रही है। गणेशोत्सव में श्रद्धालुओं की भेंट और दान भी आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लालबागचा राजा मंडल में दानपात्र खोले जाने पर सोने-चांदी के आभूषण, हीरे की ज्वेलरी और डॉलर की मालाएं जैसी भेंट सामने आईं। 19 सितंबर तक शुरुआती पांच दिनों में मंडल को 3.1 करोड़ रुपये नकद, 1.12 किलोग्राम सोना और 19.75 किलोग्राम चांदी प्राप्त होने की जानकारी सामने आई है।

नई पीढ़ी के उत्साह से मजबूत होती परंपरा

गणेशोत्सव की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इसमें युवाओं की भागीदारी लगातार दिखाई दे रही है। पंडालों की सजावट से लेकर सामाजिक कार्यक्रमों और विसर्जन यात्राओं तक युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। उनके लिए गणेशोत्सव केवल पूजा का अवसर नहीं बल्कि अपनी संस्कृति से जुड़ने और सामूहिक रूप से उत्सव मनाने का माध्यम भी बन रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अलग-अलग शहरों के गणेशोत्सव की झलक देशभर तक पहुंच रही है, जिससे इस पर्व की सांस्कृतिक पहुंच और व्यापक हो रही है। मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान भी फिल्मी दुनिया के सितारे और प्रमुख परिवार उत्सव में शामिल हुए। शिल्पा शेट्टी ने परिवार के साथ ढोल-नगाड़ों के बीच बप्पा को विदाई दी। अंबानी परिवार भी विसर्जन यात्रा में शामिल हुआ। अभिनेता गोविंदा ने अपने बेटे के साथ गणपति विसर्जन की रस्म निभाई। राजनीतिक क्षेत्र से भी कई प्रमुख चेहरे गणेशोत्सव में श्रद्धा के साथ शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन किए। महाराष्ट्र के राजनीतिक नेताओं की गणपति दर्शन में भागीदारी इस पर्व की व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता को दर्शाती है। गणेशोत्सव के अवसर पर विभिन्न राजनीतिक विचारों से जुड़े नेता भी सार्वजनिक रूप से गणपति के दर्शन करते रहे हैं।

गणेशोत्सव की असली शक्ति उसकी भव्य सजावट या प्रसिद्ध लोगों की मौजूदगी भर में नहीं है। इसकी ताकत उस सामूहिक भावना में है, जिसमें सामान्य परिवार, युवा, बुजुर्ग, कलाकार, खिलाड़ी, उद्योगपति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग एक साथ भगवान गणेश के सामने श्रद्धा से सिर झुकाते हैं। मुंबई की गलियों से लेकर देश के छोटे शहरों तक गणपति बप्पा के जयकारे लोगों को जोड़ते हैं।

यह पर्व भारतीय समाज की उस परंपरा का प्रतीक है, जिसमें धर्म के साथ कला, संस्कृति, सेवा और सामाजिक सहभागिता जुड़ी हुई है। समय के साथ प्रतिमाओं की शैली बदली है, पंडालों की सजावट बदली है और उत्सव मनाने के तरीके भी बदले हैं, लेकिन श्रद्धा का भाव कायम है। यही कारण है कि गणेशोत्सव हर वर्ष नए उत्साह के साथ लौटता है और सार्वजनिक जीवन में उमंग, एकता और सांस्कृतिक चेतना का वातावरण पैदा करता है। गणपति बप्पा के जयकारों के बीच यही संदेश उभरता है कि आस्था जब समाज को जोड़ती है तो वह केवल धार्मिक पर्व नहीं रहती, बल्कि जनउत्साह की जीवंत अभिव्यक्ति बन जाती है।

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक-बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है। जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्ति की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है। हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है। यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरुआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए। किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह—सभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में। डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए। भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा। सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें।

कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी। भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा। आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है। डेंगू से जूझ रहे भारत के लिए यह उम्मीद की एक नई किरण जरूर है, लेकिन इस किरण को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा में बदलने के लिए विज्ञान, नीति और जनभागीदारी—तीनों का साथ जरूरी होगा।

-सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। स्टॉकिस्ट बिकवाली कमजोर पड़ने से सोमवार को अनाज मंडी में चना उछाल पर रहा। तुअर में भी बाजार बढ़त पर रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर टिकाव पर रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में स्टॉकिस्ट सक्रिय है। बेसन में माँग को देखते हुए चने में निचले भावों पर बिकवाली अटकी है। सोमवार को चना 100-150 रू. क्विंटल तक उछल गया। तुअर में बढ़त कायम रही। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती बनाये रहे। तिलहनों में सोयाबीन पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। किराना जिंसों में शक्कर टिकाव पर रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4650-4750, खोपरा गोला 340-410, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100, (160) 3200, (200) 3500, (250) 3800,

तेल- सौंगदाना 1770-1790, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1415-1420, कपास्या 1540-1550, धूलिया 1560, कड़ी 1560,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1485, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6900-7050, विशाल 6800-6850, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाटक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चाँदी में बाजार मामूली लटक पर रहे। सोना भी आंशिक नरम पड़ा। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 233500, चाँदी (99) 233300, टंच 232600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150100,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.79 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे की मजबूती के साथ 95.72 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त और विदेशी कोषों की लिवाली ने निवेशकों की धारणा को सहारा दिया। हालांकि, तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग और डॉलर सूचकांक में मजबूती ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.86 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 95.72 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की तेजी दर्शाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से भी बाजार को सहारा मिला। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.93 अंक उछलकर 23,414.30 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में फार्मा और रियलिटी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। निफ्टी फार्मा इंडेक्स बढ़त के साथ ही 27,021.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी रियलिटी इंडेक्स में भी बढ़त के साथ ही 853.85 पर बंद हुआ। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी एफएमसीजी भी उछलकर बंद हुआ। निजी बैंकिंग बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में भी उछाल आया।

निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर मेटल शेयरों में आज सबसे ज्यादा बिकवाली हावी रही, जिससे निफ्टी मेटल इंडेक्स नीचे आकर 12,972.70 के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईटी और सरकारी बैंकों के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक हल्की गिरावट के साथ 8,312.40 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो इंडेक्स भी हल्की बढ़त के साथ 27,151.10 पर और निफ्टी मीडिया उछलकर 1,555.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों से भी बाजार में सहारा मिला। ब्रॉडर मार्केट का मूड पूरी तरह से पॉजिटिव बना रहा। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी भी 23,380 के आंकड़े को पार कर गया।

कच्चे तेल में गिरावट, ब्रेंट क्रुड लगभग 102 डॉलर

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रुड का वायदा लगभग 2 फीसदी गिरकर 102 डॉलर प्रति बैरल, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रुड भी 2 फीसदी से अधिक फिसलकर 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया। पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद, आपूर्ति को लेकर बाजार का डर कम हुआ है, जिससे कीमतों पर दबाव बना है। इस कमी की मुख्य वजह सऊदी अरब से तेल की आपूर्ति में सुधार की उम्मीद है। हमलों से प्रभावित हुई सऊदी की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द शुरू होने की संभावना है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति की कमी का डर घटा है। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात की संभावना ने अमेरिका-ईरान तनाव कम होने की उम्मीद जगाई है, जिससे पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा कम हुआ है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि गिरावट जारी रहेगी, क्योंकि सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमलों का खतरा और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी चिंताएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। बाजार सुधार की उम्मीदों और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच फंसा है। भारत के लिए यह राहत भरी खबर है, क्योंकि देश तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि यह गिरावट बनी रहती है, तो आयात बिल, रुपये और महंगाई पर दबाव कम हो सकता है।

ग्लोबल सेमीकंडक्टर बाजार, 2026 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली। एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते निवेश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक यह बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा, जो पहले के अनुमानों से डेढ़ गुना अधिक है। यह अनुमान एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश का सीधा परिणाम है। कोरिया एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर द्वारा वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छू लेगा। यह आंकड़ा पिछले साल तक लगाए गए अनुमान से कहीं ज्यादा है, जिसमें 2030 तक ही 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी। इस तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को तेजी से बढ़ाना है। हालांकि, एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग भी उठ रही है, लेकिन बाजार की गति थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में क्रमशः 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी देखी गई है। नवीनतम अनुमान बताते हैं कि अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। इसके बावजूद, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहेगी और 2030 तक इसके लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

मेष- आज प्रेम आपके रिश्ते में ऐसी मिठास घोलेगा, जिसका असर पूरे दिन महसूस होगा। साथी के साथ बिताया हर पल रिश्ते को और गहरा बनाएगा। कारोबार में उतार-चढ़ाव जरूर आएंगे, लेकिन आपकी समझदारी हर स्थिति को संभाल लेगी। धन से जुड़ा कोई बड़ा फैसला भविष्य में लाभ का रास्ता खोल सकता है।

वृषभ- आज किस्मत आपके लिए कई खूबसूरत मौके लेकर आ सकती है। व्यापार में कोई बड़ा सौदा हाथ लगने से उत्साह बढ़ेगा और आपकी मेहनत रंग लाती नजर आएगी। माता-पिता का आशीर्वाद घर या प्रॉपर्टी से जुड़े किसी बड़े सपने को पूरा करने में मदद करेगा। जिम्मेदारियों को शानदार तरीके से निभाने पर सम्मान और प्रशंसा मिलेगी। सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता आपकी पहचान को और मजबूत करेगी।

मिथुन- आज आपकी प्रतिभा और रचनात्मकता लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। कार्यक्षेत्र में आपके नए विचार चर्चा का विषय बन सकते हैं और कला, लेखन या क्रिएटिव कामों में मन खूब रमेगा। घर में किसी खास मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा हो जाएगा। किसी सहयोगी की बात थोड़ी परेशान कर सकती है, लेकिन धैर्य आपका सबसे बड़ा सहारा रहेगा।

कर्क- आज मन में कई विचार एक साथ उमड़ते-घुमड़ते रहेंगे, जिससे थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है। खासकर पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें, क्योंकि एक छोटी सी चूक परेशानी बढ़ा सकती है। परिवार में किसी बात को लेकर बहस हो सकती है, लेकिन प्यार और बातचीत से माहौल संभल जाएगा। मां से किया कोई वादा पूरा करके मन को विशेष संतोष मिलेगा। सरकारी काम में अटका मामला आगे बढ़ सकता है। साथ ही किसी नए काम की शुरुआत को लेकर मन में उत्साह भी जागेगा।

सिंह- आज आत्मविश्वास, जोश और ऊर्जा आपके व्यक्तित्व में साफ नजर आएगी। नौकरीपेशा लोगों को मेहनत का सम्मान और अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। निवेश के लिहाज से दिन महत्वपूर्ण रहेगा और शेयर बाजार से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर दिखाई दे सकते हैं।

कन्या- आज आपकी एक छोटी सी लापरवाही बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा। साझेदारी के काम में विशेष सावधानी रखें और किसी भी बात पर आंख बंद करके भरोसा न करें। लंबे समय से अटका काम पूरा होने से राहत मिलेगी। सेहत को लेकर भी सतर्क रहना जरूरी है। जरूरी कागजात और दस्तावेज सुरक्षित रखें। धन या पुराने लेन-देन से जुड़ा कोई मामला सुलझने की उम्मीद है, जिससे मन का बोझ हल्का होगा।

तुला- आज आपकी समझदारी और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता आपको कई मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाल सकती है। आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई देंगे, हालांकि धन से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता दे सकता है। अतीत की कोई गलती या छिपी बात सामने आने की संभावना है, इसलिए सावधानी से कदम बढ़ाएं। विदेश में पढ़ाई या करियर का सपना देखने वालों को नए अवसर मिल सकते हैं। दूसरों के भरोसे काम छोड़ने के बजाय खुद जिम्मेदारी संभालें। संतान की सफलता आज आपके चेहरे पर गर्व और खुशी दोनों ला सकती है।

वृश्चिक- आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और समाज में आपकी पहचान पहले से मजबूत होती दिखाई देगी। घर में पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन की तैयारी हो सकती है। लगातार भागदौड़ और मेहनत के कारण शरीर थका हुआ महसूस करेगा, इसलिए आराम को नजरअंदाज न करें।

धनु- आज आपके भीतर गजब का उत्साह और नई ऊर्जा दिखाई देगी। काम में मन लगेगा और किसी नई शुरुआत को लेकर दिल में उमंग बनी रहेगी। प्रेम संबंधों के लिए भी दिन भावनात्मक रूप से खास हो सकता है। स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए योग और व्यायाम को दिनचर्या में जगह देना फायदेमंद रहेगा।

मकर- आज जीवन आपसे जल्दबाजी नहीं, बल्कि धैर्य और समझदारी की मांग करेगा। पुरानी स्वास्थ्य समस्या फिर परेशान कर रही हो तो उसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं रहेगा। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाए रखना आपके लिए जरूरी होगा। किसी भी बड़े फैसले को लेने से पहले उसके हर पहलू पर विचार करें, क्योंकि जल्दबाजी बाद में पछतावे का कारण बन सकती है।

कुंभ- आज समाज में आपकी पहचान और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। आपके विचारों और काम की सराहना होगी, जिससे आत्मविश्वास और मजबूत होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहने से मन में संतोष बना रहेगा। प्रेम संबंधों में चल रही दूरी कम होगी और एक-दूसरे को समझने का मौका मिलेगा। हालांकि दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचें।

मीन- आज आपका स्वास्थ्य और ऊर्जा आपका पूरा साथ देंगे। आप खुद को पहले से अधिक उत्साहित और सकारात्मक महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा और रिश्ते में अपनापन बढ़ेगा। नौकरी में चल रही किसी परेशानी का समाधान किसी सहयोगी या जूनियर की मदद से मिल सकता है। किस्मत का साथ मिलने से कई अटके काम आसानी से पूरे होते दिखाई देंगे।

शब्दजाल - 8398

शब्द जाल में मनमोहन सरकार में शामिल मंत्रियों के नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फ	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डे	जु	शि	या	इ	म
अ	दा	म	ला	र	ज	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	वी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	घि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	म	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	ता	प	क	र

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान, गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल, नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 8397 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

मंगलवार 2026 वर्ष का 265 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल
तिथि एकादशी 21.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 07.07 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 16.29 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.57 बजे तदनन्तर विष्टि 21.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 23'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872840
जूलियन दिन 2461305.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रबि उस्सानी तारीख 10
विशेष परिवर्तिनी एकादशी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	कन्या में	कन्या 05.27 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला 07.42 बजे से
मंगल	कर्क में	वृश्चिक 09.57 बजे से
बुध	कन्या में	धनु 12.13 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर 14.18 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ 16.04 बजे से
शनि	मीन में	मीन 17.37 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष 19.06 बजे से
केतु	सिंह में	वृष 20.48 बजे से
राहुकाल		मिथुन 22.46 बजे से
3.00 से 4.30		कर्क 00.59 बजे से
बजे तक		सिंह 03.16 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः तीन गहने

ईश्वरचंद्र विद्यासागर का बचपन बंगाल के मेदिनीपुर जिले के वीर सिंह गांव में बीता। एक बार ईश्वरचंद्र के मन में सवाल उठा कि गांव में सभी महिलाएं अच्छे - अच्छे गहने पहनती हैं, लेकिन उनकी मां कभी कोई गहना क्यों नहीं पहनती। एक दिन उन्होंने मां से बड़े प्यार से पूछा, 'मां, तुम्हें कौन - कौन से गहने अच्छे लगते हैं ?' मां हंसती हुई बोली, 'क्यों पूछ रहे हो बेटा ?' ईश्वर चंद्र ने कहा, 'जब मैं बड़ा होऊंगा न, तो तुम्हारे लिए ढेर सारे गहने बनवाऊंगा। 'यह सुन कर मां ने कहा, 'बेटा, मुझे बहुत सारे गहने तो नहीं चाहिए मगर तुम बनवा सको तो मेरे लिए तीन गहने अवश्य बनवाना। 'ईश्वरचंद्र ने पूछा, 'बताओ न मां, वे तीन गहने कौन - कौन हैं ?' मां बोली, 'बेटा, पहला गहना यह है कि तुम बड़े होकर गांव में एक स्कूल बनवाना। यहां एक भी स्कूल नहीं है। गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता है। दूसरा गहना यह होगा कि गांव में एक दवाखाना बनवाना और तीसरा गहना यह होगा कि तुम यहां के अनाथ और गरीब बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था करना। मुझे यही गहने सबसे प्रिय हैं। 'यह सुन कर ईश्वरचंद्र की आंखों में आंसू आ गए। वह बोले, 'मां, मैं आप की इच्छानुसार आप के ये तीनों गहने अवश्य बनवाऊंगा। 'उन्होंने उसी समय प्रण किया कि जब तक मां की इच्छा पूरी नहीं होगी वह दूसरा कोई काम नहीं करेंगे। बड़े होने पर उन्होंने सबसे पहले मां के नाम पर भगवती देवी विद्यालय की स्थापना की, फिर एक दवाखाना बनवाया और ऐसी व्यवस्था की कि गांव के गरीब और अनाथ बच्चे कभी भूखा न सोएं। उनके काम की प्रशंसा सुन कर एक दिन एक विद्वान उनके योगदान की सराहना करने आए। उन्होंने कहा, 'तुम्हारी समझ बहुत अच्छी है जो ऐसा काम कर रहे हो। 'ईश्वरचंद्र ने कहा, 'यह मेरी समझ नहीं है। यह तो बचपन में मां की दी हुई शिक्षा का फल है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7332

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली समीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की "मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल टूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रस्ता' गीत वाली अरुण, सुवर्ना, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरुख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शौकतअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद दिल से सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7331

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7641

★★★★☆ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7640 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8856

बाएँ से दाएँ

1.अँगरखा-4
3.मान-सम्मान,इज्जत-3
5.शुभाशीर्वाद,नियामत-4
8.केश-2
10.कसम,प्रतिज्ञा,वचन-2
11.बुरी आदत-2
13.मगरमच्छ-3
15.परिणाम-3
16.माँड़ी,स्टार्च-3
17.अक्षर (उर्दू-3)
19.रोम,केश-2
20.अधिकार,आरोप-2
21.सतह,स्तर,पटल-2
23.लूटपाट,डाका-4
25.सभ्यीकरण,विवेक-3
26.एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1.अनोखा,विचित्र,विलक्षण-3
2.नया,नवीन-2
3.इज्जत-2
4.कपोल-4
6.गमन,प्रेषित-3
7.पिता के पिता-2
9.चुनौती-4
13.गंदगी का ढेर-3
14.असावधानी-4
17.जेल,कालकोठरी-4
18.शोर,ध्वनि,कंपन्न-3
20.ताप,शवदाह-2
22.यज्ञ,आहुति दान-3
23.रहस्य-2
24.जल, पानी-3

शब्द पहेली -8855 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बैगा समाज ने जलाया उम्मीद का दीप

राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान और 31 बैगा आदिवासी बच्चों की शहादत को दी आदरांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान की स्मृति तथा 31 बैगा आदिवासी बच्चों की शहादत को नमन करते हुए बालाघाट जिले की बिरसा तहसील के ग्राम कोरका-बोदारी में बैगा आदिवासी समाज द्वारा आदरांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने अपनी पीड़ा, भावनाओं और उम्मीदों को सामने रखते हुए देश के राष्ट्रपति और राज्यपाल से स्वयं गांव पहुंचकर बैगा समाज की वास्तविक स्थिति देखने की अपील की। इसी क्रम में 21 सितंबर को जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ग्राम कोरका-बोदारी पहुंचे। उन्होंने बैगा आदिवासी समाज के लोगों से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानी तथा उनकी परेशानियों और भावनाओं को विस्तार से सुना। समाज के लोगों ने भी अपनी समस्याओं और अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया।

राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को किया नमन

आदरांजलि सभा के दौरान राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाज के लोगों ने कहा कि यह दीप केवल एक धार्मिक रस्म या प्रतीक नहीं है, बल्कि उनकी पहचान, आस्था और उम्मीद का प्रतीक है। समाज ने संकल्प लिया कि जब तक देश के राष्ट्रपति और राज्यपाल स्वयं उनके बीच पहुंचकर बैगा समाज का हाल नहीं जान लेते, तब तक यह दीप प्रज्वलित रहेगा। समाज की ओर से कहा गया कि वे किसी प्रकार की मांग या आंदोलन नहीं कर रहे हैं। उनकी अपेक्षा केवल इतनी है कि संवैधानिक संरक्षक स्वयं उनके गांव आएं और बैगा समाज के जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को करीब से देखें।

'कागजों से नहीं, गांव आकर समझें हमारी स्थिति'

समाज के लोगों का कहना है कि सरकारी अभिलेखों और कागजों में किसी समुदाय की स्थिति को समझना एक बात है, लेकिन गांव में आकर उसी समुदाय के लोगों के बीच बैठना और उनकी जिंदगी को अपनी आंखों से देखना बिल्कुल अलग अनुभव है। इसी भावना के साथ बैगा समाज ने राष्ट्रपति और राज्यपाल को अपने बीच आने का न्योता दिया है। वक्ताओं ने कहा कि वे अपनी बात किसी ज्ञापन, नारे या आंदोलन के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने गांव, अपने जीवन और अपनी परिस्थितियों के माध्यम से सामने रखना चाहते हैं। समाज को उम्मीद है कि यदि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे प्रतिनिधि स्वयं उनके बीच पहुंचेंगे तो उनकी पीड़ा, समस्याओं और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा।

31 बैगा आदिवासी बच्चों की शहादत को किया याद

आदरांजलि सभा में 31 बैगा आदिवासी बच्चों की शहादत को याद करते हुए समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि इन मौतों ने बैगा समाज के भीतर गहरी पीड़ा और चिंता पैदा की है। समाज चाहता है कि उनकी आवाज जिम्मेदार संवैधानिक पदों तक पहुंचे और उनकी परिस्थितियों को गंभीरता से समझा जाए। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान को याद करते हुए समाज के लोगों ने कहा कि आदिवासी समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और अस्तित्व से जुड़ा संघर्ष इतिहास से चला आ रहा है। आज भी समाज अपनी पहचान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर चिंतित है।

दीप बनी उम्मीद की लौ

ग्राम कोरका-बोदारी में राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के छायाचित्र के सामने प्रज्वलित किया गया दीप अब बैगा समाज के लिए उम्मीद की लौ बन गया है। समाज के लोगों के अनुसार यह दीप तब तक जलता रहेगा, जब तक उनके संवैधानिक संरक्षक उनके बीच आकर उनकी बात नहीं सुनते। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उनके चेहरों पर पीड़ा के साथ उम्मीद भी नजर आई। समाज का कहना है कि यह दीप विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि उस उम्मीद का प्रतीक है जिसके माध्यम से वे अपनी बात राष्ट्रपति और राज्यपाल तक पहुंचाना चाहते हैं। जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने भी समाज के लोगों के बीच समय बिताकर उनकी बात सुनी। इस दौरान समाज के लोगों ने उन्हें कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा, अपनी परिस्थितियों और अपनी भावनाओं से अवगत कराया। अब बैगा समाज की नजर इस बात पर है कि उनके द्वारा प्रज्वलित की गई उम्मीद की यह लौ कब तक जलती रहेगी और कब उनके संवैधानिक संरक्षक उनके बीच पहुंचकर उनकी बात सुनेंगे।

न्यायालय के अधिकारी-कर्मचारियों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क उपचार के साथ बनी आभा आईडी

समय-समय पर स्वास्थ्य जांच जरूरी, लापरवाही से गंभीर बीमारी का खतरा - न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रीतम शाह

पद्मेश न्यूज। लांजी। उच्च न्यायालय जबलपुर एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर व्यवहार न्यायालय लांजी के अंतर्गत शनिवार 19 सितंबर को शासकीय सिविल अस्पताल लांजी में मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में न्यायिक अधिकारियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, अधिवक्ताओं एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही निशुल्क उपचार एवं आभा आईडी बनाने की सुविधा का भी लाभ दिया गया। शिविर का शुभारंभ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं तहसील विधिक सेवा समिति लांजी के अध्यक्ष प्रीतम शाह ने स्वास्थ्य विभाग की टीम, न्यायालयीन कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं की मौजूदगी में किया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। कामकाज की व्यस्तता में कर्मचारी अक्सर अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते, जिसके कारण छोटी बीमारी आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना और चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श लेना बेहद जरूरी है।

जांच के साथ मिला चिकित्सकीय परामर्श

प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकित आर. खरोले ने भी स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित जांच से शरीर में होने वाले बदलावों का समय रहते पता लगाया जा सकता है। शिविर में पहुंचे न्यायालयीन कर्मचारियों, अधिवक्ताओं एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उपस्थित लोगों की आभा आईडी भी बनाई गई। निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा मिलने पर कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल से जुड़े लोगों के स्वास्थ्य को लेकर इस तरह के शिविर उपयोगी साबित होते हैं। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र

न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के निर्देश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर को सफल बनाने में शासकीय सिविल अस्पताल लांजी की चिकित्सा टीम, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी एवं पैरालीगल वालंटियर्स (पीएलवी) का सहयोग रहा।

पीएमश्री कन्या विद्यालय लांजी में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

छात्राओं ने भाषण, चित्रकला, गीत एवं छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य से दिखाई प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर लांजी स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार, 21 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन के साथ प्राचार्य पी.के. भीमटे, प्रभारी प्राचार्य एस.के. बोरकर एवं उपस्थित पालकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा 11वीं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात उपस्थित पालकों का स्वागत प्राचार्य पी.के. भीमटे द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कक्षा 11वीं 'अ' की छात्रा सबा शेख ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को संगीतमय बना दिया।

भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में लक्ष्मी कुन्हाड़कर, पलक बढ़घैया, आकांक्षा मेश्राम, भारती कोठारे, इशिका कलपुरे, निधि बढ़घैया एवं भारती बढ़घैया ने सहभागिता की। निर्णायक मंडल द्वारा आकांक्षा मेश्राम को प्रथम, लक्ष्मी कुन्हाड़कर को द्वितीय तथा भारती बढ़घैया को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। इसी क्रम में चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें सुषमा जामरे, लावी शेख, मासूम राहंगडाले, खुशी, जाह्नवी, तन्वी कुशले, मानवी गुर्दे, लक्ष्मी वाने, प्रतिज्ञा, गौरी करांहे एवं मोहिनी कछवाहे ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में मोहिनी कछवाहे ने प्रथम, गौरी करांहे ने द्वितीय तथा लक्ष्मी वाने ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गीत और लोकनृत्य ने बांधा समां

बालरंग महोत्सव-2026 के अंतर्गत कक्षा 10वीं 'स' की छात्रा नंदनी ने शानदार गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया। लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उपस्थित पालकों, शिक्षकों एवं छात्राओं का उत्साह बढ़ा दिया। कार्यक्रम के दौरान ए.के. लाटरे, बसंत रामटेके, नोहरलाल पटले एवं डी.एस. वाकड़े ने अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर दिया जोर

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य पी.के. भीमटे ने छात्राओं के भाषण, चित्रकला, गीत एवं लोकनृत्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में अनेक प्रतिभाएं छिपी होती हैं, जिन्हें ऐसे आयोजनों के माध्यम से सामने लाने का अवसर मिलता है। छात्राओं को विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा को निखारना चाहिए। उन्होंने शासन द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के संबंध में छात्राओं को विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान पूरे माह संचालित किया जाएगा। विद्यार्थियों को इसमें उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवा, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी एवं सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थी जीवन से ही अच्छे संस्कार एवं सही दिशा अपनाने से भविष्य में सकारात्मक उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन उच्च माध्यमिक शिक्षक बसंत रामटेके द्वारा किया गया। आयोजन में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्राओं एवं पालकों की सहभागिता रही।

सावरी खुर्द में गणेश उत्सव में अनूठी पहल

बाहरी कलाकारों पर खर्च के बजाय गांव की प्रतिभाओं का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणेश उत्सव के दौरान जहां विभिन्न पंडालों में धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन के आयोजन हो रहे हैं, वहीं लांजी क्षेत्र के ग्राम सावरी खुर्द स्कूल चौक में श्री गणेश उत्सव मित्र मंडल समिति ने इस बार उत्सव को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए एक अनूठी पहल की। समिति ने बाहरी कलाकारों और आयोजनों पर बड़ी राशि खर्च करने के बजाय गांव की प्रतिभाओं को मंच देने का निर्णय लिया। इसी उद्देश्य से ग्राम गौरव सम्मान समारोह का आयोजन कर मेधावी विद्यार्थियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, सेना परिवारों, नवागत कर्मचारियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले स्थानीय बाल कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार करहि, विशिष्ट अतिथि अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे, समाजसेवी विशाल राउत खोंगल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ऋषि पटेल, विधायक प्रतिनिधि सोहन उपराड़े, भाजपा मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष बिसोनी दैवेश ऐड़े, पूर्व सरपंच सोहन नागपुरे, समाजसेवी फणींद्र दुरुगकर, पुलिस पटेल जीवनचंद लिल्हारे, सचिन अग्रवाल, दुलापुर सरपंच ताराचंद कुचलाहे, बबलू शिवालिया, शिक्षक चुन्नीलाल नेताम, भोजराम लिल्हारे, सेवानिवृत्त शिक्षक तेजराम लिल्हारे, बलिराम लिल्हारे, सोहन लिल्हारे, हुलासराम लिल्हारे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

70 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

समारोह में ग्राम पंचायत सावरी खुर्द क्षेत्र के कक्षा 10वीं और 12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं के सारांश मेश्राम, सुमित लिल्हारे, जानवी डाहरे, प्रतिज्ञा फुल्हारे, मनीष भलावी, साहिल मस्करे, काजू नेवारे, मीनाक्षी नेताम, मनीषा लिल्हारे, प्रतिक्षा महिश्वरे, दिशा नेवारे, शीतल लिल्हारे, अंकित लिल्हारे, सनम दशरिया, नंदनी मस्करे और अमन उके सहित अन्य विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हिमांशु नेवारे, अंकुश लिल्हारे, सतीश मस्करे, प्रह्लाद पटले, साहिल मेश्राम, पूनम लिल्हारे, हेमेंद्र लिल्हारे, पायल मातरे, शीतल मोहारे, खुशबू पांचे, वैशाली कोड़वती और सलोनी शेंडे सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों, सेना परिवारों एवं ग्राम में नवागत कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

गणेश उत्सव के दौरान सावरी खुर्द और बिरनपुर के बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इन कलाकार बच्चों की प्रतिभा और उत्साह को प्रोत्साहित करते हुए समिति की ओर से सभी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। स्थानीय बच्चों को मंच और सम्मान मिलने से कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का माहौल रहा।

बाहर से कलाकार बुलाने के बजाय गांव की प्रतिभाओं को दें मंच

मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार करहि ने समिति की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बाहर से कलाकार बुलाए जाते हैं तो बड़ी राशि खर्च होती है, लेकिन उसका सीधा लाभ गांव की प्रतिभाओं को नहीं मिल पाता। स्थानीय प्रतिभाओं को मंच और सम्मान देने की यह पहल निश्चित रूप से बच्चों और युवाओं का उत्साह बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहन और सम्मान मिलना चाहिए। अभिभावकों को भी अपने बच्चों को आगे बढ़ने और देश-दुनिया में नाम कमाने का सपना दिखाना चाहिए। विद्यार्थियों को विशेष रूप से 12वीं कक्षा तक पढ़ाई को लक्ष्य बनाकर मेहनत करनी चाहिए। सम्मान से बच्चों में नई ऊर्जा आएगी और वे भविष्य में समाज एवं देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे।

युवाओं को नशे से दूर रहकर योग-ध्यान अपनाने का संदेश

विशिष्ट अतिथि एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने कहा कि समाज में जागरूकता लाना आज की बड़ी आवश्यकता है। युवा पीढ़ी का नशे की ओर बढ़ता आकर्षण चिंता का विषय है। युवाओं को सही दिशा देने के लिए उन्हें योग, ध्यान और प्राणायाम से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर युवा स्वयं के साथ-साथ समाज के विकास में भी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने ग्राम गौरव सम्मान समारोह की सराहना करते हुए आयोजक समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

स्थानीय प्रतिभाओं को सम्मान मिलने से नई पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ऋषि पटेल ने कहा कि समिति की शुरुआत बाल उत्सव के रूप में हुई थी, जो आज एक बड़े आयोजन का रूप ले चुकी है। समिति के सदस्यों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन उनकी सोच बड़ी है। समय के साथ समिति ने अपनी सोच में बदलाव करते हुए स्थानीय प्रतिभाओं को सम्मानित करने का जो निर्णय लिया है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि गांव के प्रतिभाशाली बच्चों को मंच और सम्मान मिलने से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी। ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं में आगे बढ़ने की भावना पैदा करते हैं और उन्हें समाज तथा राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। श्री गणेश उत्सव मित्र मंडल समिति की इस पहल की ग्रामीणों और उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। समारोह ने गणेश उत्सव को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान, सम्मान और प्रोत्साहन देने वाले सामाजिक उत्सव का रूप दिया।

फेकनबाई के अंतिम संस्कार के लिए मिली 5 हजार रुपए की सहायता

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम चुरली निवासी फेकनबाई पति भागचंद सहारे के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार के लिए ग्राम पंचायत आवा द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत 5 हजार रुपए की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई। यह सहायता राशि मृतका के पुत्र लक्ष्मीचंद भागचंद सहारे को ग्राम पंचायत भवन में प्रदान की गई। मध्यप्रदेश शासन की संबल योजना के तहत पात्र पंजीकृत श्रमिक परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसी के तहत ग्राम पंचायत आवा द्वारा फेकनबाई के निधन की सूचना प्राप्त होने के बाद नियमानुसार प्रक्रिया पूरी करते हुए उनके परिवार को अंत्येष्टि सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में मृतका के पुत्र लक्ष्मीचंद को 5 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सरपंच ललित कबीरे, सचिव अनिल कामड़े, रोजगार सहायक नरेंद्र गजभिये, अशोक एवं भोजराज धनवले सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पंचायत प्रतिनिधियों ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शासन की संबल योजना के तहत मिलने वाली सहायता की जानकारी भी दी। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि संबल योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के पात्र श्रमिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। योजना के तहत पात्रता के अनुसार अंत्येष्टि सहायता सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ भी प्रदान किए जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में पात्र परिवारों को आवश्यकता के समय ग्राम पंचायत स्तर से सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था है, जिससे अंतिम संस्कार के दौरान परिवार को आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

पाली एकेडमी का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

पद्मेश न्यूज। लांजी। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय से संबद्ध तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण महाविद्यालय पाली एकेडमी इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में संचालित अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम के चतुर्थ सत्र का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ है। परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। घोषित परीक्षा परिणाम में मयूर वहाने ने 83.903 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रेखा नंदनवार ने 82.60 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा आरती बंसोड़ ने 81.43 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा महाविद्यालय के 80 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं। महाविद्यालय प्रबंधन के अनुसार विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन, अनुशासन और प्राध्यापकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। चतुर्थ सत्र में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने से महाविद्यालय में उत्साह का वातावरण है। विद्यार्थियों की इस सराहनीय और अभूतपूर्व सफलता पर महाविद्यालय की संचालिका वंदना वैद्य, प्राचार्य बी.जे. लिल्हारे सहित प्राध्यापक कृष्णकली बड़गैया, उमेद्र नागभिड़े, बी.सी. पटले, खेमेन्द्र उमरे, चंद्रशेखर मेश्राम, अजीत बोरकर, योगेश नंदनवार, प्रज्ञा सोनटेके, संजय मेश्राम, संतोष बोरकर एवं जी.के. सोनवाने सहित समस्त प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी प्रकार मेहनत और अनुशासन के साथ सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

सालई तालाब का टूटा कालवा बना पानी की बर्बादी का कारण

लाखों लीटर पानी हो रहा व्यर्थ, वर्षों से मरम्मत के इंतजार में ग्रामीण

पदमेश न्यूज। गोंदिया। देवरी तहसील के सालई गांव स्थित तालाब का कालवा कई वर्षों से टूटा हुआ है. बारिश के मौसम में तालाब में पर्याप्त पानी जमा होने के बाद टूटे हुए हिस्से से बड़ी मात्रा में पानी बाहर निकल जाता है. इससे लाखों लीटर पानी बर्बाद होने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है. ग्रामीणों का कहना है कि समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को होने के बावजूद वर्षों से इसकी मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया गया है।

एक ओर शासन की ओर से 'पानी अडवा, पानी जिरवा' जैसी जलसंवर्धन की संकल्पना को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मौजूदा जलस्रोत से पानी के इस तरह बह जाने से जलसंधारण व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. ग्रामीणों ने मांग की है कि कालवे की तत्काल मरम्मत कर पानी की बर्बादी रोकी जाए और तालाब के रखरखाव के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए।

खेती के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत

सालई क्षेत्र की खेती के लिए तालाब का पानी महत्वपूर्ण माना जाता है. बारिश के दौरान तालाब में जमा होने वाला पानी खेती के साथ ही आसपास के जलस्रोतों के पुनर्भरण में भी उपयोगी होता है. लेकिन कालवा टूटने के कारण पानी का उचित नियोजन नहीं हो पा रहा है और बड़ी मात्रा में पानी बाहर निकल रहा है. इससे जरूरत के समय तालाब में उपलब्ध जलसाठे पर असर पड़ने की आशंका ग्रामीणों ने जताई है।

मरम्मत की मांग सिर्फ कागजों तक?

ग्रामीणों के अनुसार कालवा टूटने और पानी की बर्बादी की जानकारी संबंधित विभाग को है. इसके बावजूद अब तक ठोस मरम्मत कार्य नहीं किया गया है. हर वर्ष बारिश के मौसम में तालाब में पानी जमा होता है, लेकिन टूटे कालवे के कारण इसका बड़ा हिस्सा बह जाता है. ऐसे में सरकारी निधि से निर्मित जलसंचयन संरचनाओं के रखरखाव और समय पर मरम्मत की आवश्यकता सामने आई है।

जलसंचयन क्षमता बढ़ाने की मांग

ग्रामीणों ने सालई तालाब के कालवे की तत्काल मरम्मत कर पानी की निकासी और बर्बादी को नियंत्रित करने की मांग की है. साथ ही संबंधित विभाग से तालाब का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर आवश्यक निधि मंजूर करने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए स्थायी उपाययोजना करने की मांग की गई है।

डेंग्यू-मलेरिया पर वार, गांवों में होगा डी-लार्वा छिड़काव

'मेरा गांव, स्वास्थ्य संपन्न गांव' अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

पदमेश न्यूज। गोंदिया। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'मेरा गांव, स्वास्थ्य संपन्न गांव' अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करने और डेंग्यू, मलेरिया (हिवताप) जैसे मच्छरजनित गंभीर रोगों पर नियंत्रण के लिए जिला परिषद ने कमर कस ली है. बारिश के बाद मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका को देखते हुए जिले की सभी ग्राम पंचायतों को अपने स्तर पर तत्काल डी-लार्वा (मच्छर लार्वा नाशक) छिड़काव अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

गोंदिया जिले की भौगोलिक व पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण मच्छरजनित बीमारियों पर नियंत्रण चुनौतीपूर्ण माना जाता है. जिले की पहचान 'तालाबों का जिला' और 'धान का कोठार' के रूप में है. इसके अलावा जिले का बड़ा हिस्सा जंगलों से घिरा है. जंगलों में पेड़ों की छाया और वातावरण में नमी मच्छरों के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करती है. धान की खेती में खेतों में कई महीनों तक पानी जमा रहता है. यह पानी मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल स्थान बन जाता है. इसके चलते मलेरिया, डेंग्यू, फाइलेरिया और जापानी इंसेफेलाइटिस जैसे मच्छरजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

लार्वा पर सीधा प्रहार

डी-लार्वा छिड़काव का उद्देश्य पानी में मौजूद मच्छरों के लार्वा को नष्ट करना है, जिससे वे विकसित होकर वयस्क मच्छर नहीं बन पाते. इससे मच्छरों की प्रजनन प्रक्रिया को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सकता है. डेंग्यू, मलेरिया, चिकनगुनिया और फाइलेरिया जैसे मच्छरजनित रोगों के प्रसार को नियंत्रित करने में यह उपाय उपयोगी माना जाता है. वयस्क मच्छरों को नियंत्रित करने की तुलना में पानी में मौजूद लार्वा को लक्षित करना अधिक प्रभावी और व्यावहारिक उपाय हो सकता है. नियमित रूप से छिड़काव के साथ मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने से संबंधित क्षेत्रों में मच्छरों की संख्या को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

गांव को स्वस्थ रखना केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे गांव की सामूहिक जिम्मेदारी है. 'मेरा गांव, स्वास्थ्य संपन्न गांव' अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने को प्राथमिकता देनी चाहिए. गांवों में जमा व ठहरे हुए पानी में डी-लार्वा छिड़काव कर मच्छरों के प्रकोप को शुरुआत में ही रोकना आवश्यक है. इस अभियान में नागरिकों की भागीदारी भी बेहद महत्वपूर्ण है।

झेनिथ दोंतुला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिप गोंदिया

फर्जी जानकारी देने वाले पर मामला दर्ज

पदमेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत मनोरा निवासी राजकुमार चिमन मेश्राम (33) ने शराब के नशे में डायल 112 पर कॉल कर फर्जी जानकारी दी. फिर्यादी सिपाही विक्की धांडे की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार तिरपुडे कर रहे हैं।

तालाब में कुद कर युवती ने की आत्महत्या

पदमेश न्यूज। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत सिंधीपार निवासी कोमल शिवदास कोल्हारे (20) को फिर्यादी जगदिश शिवदास शेंडे (46) ने पुछा की तेरी तबीयत कैसी है, उपचार के लिए डाक्टर को बुलाऊ क्या. दवाईयां देने के डर से लड़की ने गांव के तालाब में कुद के आत्महत्या कर ली. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार जागेश्वर उईके कर रहे हैं।

गांजा पीते हुए युवक को पकड़ा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत शास्त्री वार्ड, तिरोड़ा पंचायत समिति के बाजू में शास्त्री वार्ड निवासी आरोपी अंकुश गोविंद पटले (35) को गांजा पीते हुए पकड़ा गया. इस दौरान उसके पास से 41 रु. कीमत का माल पकड़ा गया. फिर्यादी सिपाही अमित परसराम गायकवाड़ की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार मडावी कर रहे हैं।

तीन साल में 71,990 आवेदन, 11 हजार से अधिक मामले अटके

शिष्यवृत्ति के लिए आवेदन बढ़े, लेकिन 2025-26 में लंबित मामलों में दोगुने की बढ़ोतरी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। जिले के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने शासन की ओर से विभिन्न शिष्यवृत्ति योजनाएं चलाई जाती हैं. लेकिन पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी अब भी शिष्यवृत्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं. वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान शिष्यवृत्ति के लिए कुल 71 हजार 990 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें से 60 हजार 721 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति मंजूर की गई, जबकि शेष आवेदन विभिन्न कारणों से लंबित रहे।

वर्ष 2023-24 में कुल 22 हजार 328 आवेदन प्राप्त हुए थे. इनमें से 19 हजार 748 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति मिली, जबकि 2 हजार 580 आवेदन लंबित रहे. वर्ष 2024-25 में आवेदन बढ़कर 24 हजार 259 हो गए. इनमें से 21 हजार 290 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति मंजूर हुई, जबकि 2 हजार 969 आवेदन लंबित है. वर्ष 2025-26 में आवेदन की संख्या बढ़कर सर्वाधिक 25 हजार 403 हो गई. इनमें से 19 हजार 689 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति मिली, जबकि 5 हजार 714 आवेदन लंबित रह गए, यानी आवेदन बढ़ने के साथ लंबित मामलों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ा है. शिष्यवृत्ति आवेदन प्रक्रिया में संस्थास्तर पर भी बड़ी संख्या में मामले अटके हुए हैं. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 3 हजार 691 आवेदन इंस्टीट्यूट स्तर पर लंबित हैं. इसके अलावा 2 हजार 237 आवेदन अन्य स्तर पर लंबित बताए गए हैं. ऐसे में विद्यार्थियों के लिए आवेदन जमा करने के बाद उसकी वर्तमान स्थिति की जानकारी लेना जरूरी हो गया है।

तीन साल में लगातार बढ़े आवेदन

आंकड़ों के अनुसार शिष्यवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ी है. वर्ष 2023-24 में 22,328 आवेदन से बढ़कर 2024-25 में यह संख्या 24,259 और 2025-26 में 25,403 तक पहुंच गई. लेकिन, आवेदन बढ़ने के साथ लंबित प्रकरणों का ग्राफ भी ऊपर गया. वर्ष 2025-26 में अकेले 5,714 आवेदन लंबित रहने से विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

3,355 आवेदन रद्द, 1,573 में मिली त्रुटियां

शिष्यवृत्ति नहीं मिलने वाले आवेदनों में 3 हजार 355 आवेदन रद्द किए गए हैं. वहीं 1 हजार 573 आवेदनों में त्रुटियां पाए जाने के कारण वे लंबित हैं. आवेदन करते समय आवश्यक दस्तावेज, व्यक्तिगत जानकारी अथवा अन्य विवरण में त्रुटि रहने से प्रक्रिया प्रभावित होने की बात सामने आई है. विद्यार्थियों के लिए आवेदन करते समय दस्तावेज और सभी विवरण सही तरीके से प्रस्तुत करना महत्वपूर्ण है।

प्रसूता ने मृत बच्चे को दिया जन्म, मां की भी मौत

पदमेश न्यूज, गोंदिया. प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती कराई गई गर्भवती महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत से गोंदिया में हड़कंप मच गया है. रावणवाड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार ले रही पूजा फरकुंडे (25) को प्रसव पीड़ा होने के बाद जांच में हीमोग्लोबिन का स्तर महज 5 ग्राम पाया गया. इसके बाद उसे गोंदिया के बाई गंगाबाई महिला अस्पताल में रेफर किया गया. उपचार के दौरान महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया. इसके बाद उसकी हालत बिगड़ने पर उपचार के दौरान ही उसकी भी मौत हो गई।

घटना के बाद मृतका के परिजनों ने अस्पताल के बाहर आक्रोश जताते हुए डाक्टरों पर कथित लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए. परिजनों का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान ही यदि महिला के शरीर में रक्त की इतनी कमी होने की जानकारी समय पर दी जाती और आवश्यक उपचार तथा पोषण की व्यवस्था की जाती, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती. मृतका के परिजनों ने सवाल उठाया कि यदि पूजा का हीमोग्लोबिन महज 5 ग्राम था, तो गर्भावस्था के दौरान इसकी जानकारी समय पर क्यों नहीं दी गई? रक्त की इतनी कमी होने के बावजूद प्रसव के समय तक इंतजार क्यों किया गया? परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में उपचार के दौरान उन्हें महिला से मिलने नहीं दिया गया और उपचार को लेकर भी उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई. मृतका के काका मास्तराम कोसरकर ने आरोप लगाया कि पूजा रावणवाड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भावस्था के दौरान नियमित उपचार ले रही थी. इसके बावजूद गंभीर रूप से कम हीमोग्लोबिन के संबंध में समय रहते उचित मार्गदर्शन नहीं मिलने से स्थिति बिगड़ गई. एक ही घटना में मां और बच्चे की मौत से परिजनों में रोष है. परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही हुई है या नहीं, इसकी पड़ताल करने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रावणवाड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पूजा को दिए गए इंजेक्शन को लेकर डाक्टरों के बीच ही कथित तौर पर मतभेद सामने आए. यदि महिला की हालत गंभीर थी, तो उसे पहले ही उच्चस्तरीय उपचार के लिए रेफर क्यों नहीं किया गया? मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए।

लोकेश यादव, समाजसेवक, गोंदिया

महिला का हीमोग्लोबिन स्तर महज 5 ग्राम था. गंभीर रूप से कम हीमोग्लोबिन के कारण उसकी हालत चिंताजनक थी. अस्पताल में उसे रक्त चढ़ाने सहित उपचार दिया गया, लेकिन प्रसव के बाद बच्चे की मौत हो गई और बाद में महिला की भी उपचार के दौरान मौत हो गई. गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी को गंभीरता से लेते हुए समय पर पौष्टिक आहार और आवश्यक उपचार मिलना जरूरी है. इस तरह की स्थिति से बचाव के लिए गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और स्वास्थ्य विभाग की आशा सेविकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

डा. विनायक रुखमोडे, अधिष्ठाता, वैद्यकिय महाविद्यालय गोंदिया

धान बोनस के लिए आमरण अनशन खत्म

पदमेश न्यूज। गोंदिया। विदर्भ के धान उत्पादक किसानों को बोनस देने की मांग को लेकर तिरोड़ा में शुरू किया गया आमरण अनशन आखिरकार समाप्त हो गया. 'किसानों को बोनस मिलने तक आमरण अनशन' के संकल्प के साथ किसान सेवा समिति के नरेंद्र रहांगडाले ने 15 सितंबर से तिरोड़ा में अनशन शुरू किया था. आंदोलन की जानकारी मिलने के बाद विधायक विजय रहांगडाले अनशन स्थल पर पहुंचे और अनशनकर्ता नरेंद्र रहांगडाले से मुलाकात की. उन्होंने किसानों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की और आंदोलन को अपना समर्थन व्यक्त किया. विधायक ने कहा कि धान उत्पादक किसानों का बोनस से जुड़ा मुद्दा गंभीर है और इसे आगामी विधानसभा के शीतकालीन अधिवेशन में प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा. अनशनकर्ता की ओर से कहा गया कि धान उत्पादक किसान बढ़ती महंगाई, मजदूरी की बढ़ती लागत और मौसम की अनिश्चितता के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं. ऐसे में शासन द्वारा घोषित बोनस किसानों को जल्द से जल्द मिलना आवश्यक है. विधायक रहांगडाले ने शासन का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित करने तथा किसानों को बोनस दिलाने के लिए संबंधित स्तर पर लगातार प्रयास करने का आश्वासन दिया. उनके आश्वासन व आग्रह के बाद चर्चा कर अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया गया. विधायक के हाथों जूस पिलाकर नरेंद्र रहांगडाले का आमरण अनशन समाप्त कराया गया। इस अवसर पर उपविभागीय अधिकारी पूजा गायकवाड़, तहसीलदार नारायण ठाकरे, जिप सदस्य माधुरी रहांगडाले, शिक्षा सभापति देवेंद्र तिवारी, कृउबास के पूर्व सभापति वाई.टी. कटरे सहित किसान सेवा समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे.

तिरोडा में 4 अक्टूबर को होगा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

पदमेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा शहरवासियों के लिए मनोरंजन और सांस्कृतिक उत्सव का अवसर सामने आया है. शहर स्थित शहीद मिश्रा कॉलेज के प्रांगण में 4 अक्टूबर को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका व कलाकार राधा खुले की विशेष उपस्थिति रहेगी. कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 4 अक्टूबर को शाम 5 बजे किया जाएगा. इस दौरान संगीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को रंगारंग बनाने की तैयारी की गई है. इस कार्यक्रम का आयोजन एनआर मोबाइल केयर, तिरोड़ा की ओर से किया जा रहा है. आयोजकों ने तिरोड़ा शहर व तहसील के नागरिकों के साथ ही युवक-युवतियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की है।

वाहन की टक्कर से एक की मौत, एक घायल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत गोविंदटोला (मंगेझरी) के पास माल वाहक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. इस घटना में एक महिला की मौत हो गई तो एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, पसरवाड़ा निवासी घायल रविंद्र ईश्वरदास मेश्राम (54) व मृतक समिता विनोद शहारे (43) मोटरसाइकिल से ग्राम खाड़ीपार जा रहा थे. इसी बीच गोविंदटोला से मंगेझरी मार्ग पर मालवाहक के चालक ने अपना वाहन लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें समिता की मौत हो गई तो रविंद्र गंभीर रुप से घायल हो गया. फिर्यादी राजेश दिना शहारे (60) की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक गवई कर रहे हैं।

पवन तलाब बना गोरेगांव की नई पहचान

नमो उद्यान योजना ने बदली तस्वीर, सौंदर्यीकरण से बढ़ा आकर्षण

पदमेश न्यूज। गोंदिया। कभी उपेक्षा का शिकार रहा शहर का पवन तलाव आज गोरेगांव की नई पहचान बनता दिखाई दे रहा है. नमो उद्यान योजना के तहत मिली करीब एक करोड़ रु. की निधि और जनप्रतिनिधियों के निरंतर प्रयासों से हुए व्यापक सौंदर्यीकरण ने पवन तलाब की पूरी तस्वीर बदल दी है. आकर्षक प्रवेश द्वार से लेकर पेवर ब्लॉक, स्टील रेलिंग, आधुनिक बैठक व्यवस्था, ग्रीन जिम, बच्चों के लिए झूले, विभिन्न स्टैच्यू और हरियाली ने इस परिसर को नागरिकों के लिए एक आकर्षक स्थल बना दिया है. सुबह की सैर से लेकर शाम की चहल-पहल तक पवन तलाव में अब नागरिकों की भीड़ नजर आती है. परिवारों के साथ आने वाले लोगों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था होने से यह स्थान अब केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और नागरिक गतिविधियों का भी केंद्र बनने लगा है।

पवन तलाव परिसर में स्थापित मिसाइल और पृथ्वी के स्टैच्यू विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. बच्चों और युवाओं के लिए जहां विभिन्न प्रकार के झुले व ग्रीन जिम उपलब्ध कराए गए हैं, वहीं पेड़-पौधों और हरियाली ने परिसर के वातावरण को और सुंदर बना दिया है. सौंदर्यीकरण के बाद नागरिकों में भी इस स्थल को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है. शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने भी पवन तलाब के बदले स्वरूप की सराहना की है. नगर पंचायत ने पवन तलाब के सौंदर्यीकरण को बनाए रखने के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान दिया है. परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से परिसर की साफ-सफाई के साथ-साथ पेड़-पौधों की देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है. विधायक विजय रहांगडाले, नगर अध्यक्ष तेजराम बिसने, उपाध्यक्ष मल्लेशयाम येरोला तथा भाजपा गट नेता आशीष बारेवार तथा कांग्रेस नेता जगदीश येरोला समय-समय पर पवन तलाव का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे हैं।

युवाओं की वर्षों की मेहनत आखिर रंग लाई

भाजपा गट नेता आशीष बारेवार ने कहा कि पवन तलाव के सौंदर्यीकरण के पीछे गोरेगांव युवा शक्ति संगठन की वर्षों की मेहनत और लगातार प्रयास रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर महाराष्ट्र सरकार की नमो उद्यान योजना के तहत गोरेगांव नगर पंचायत को निधि उपलब्ध हुई, जिसके चलते पवन तलाव के विकास को नई दिशा मिली. उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए आगे भी आवश्यक निधि उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है. आने वाले समय में गोरेगांव के विकास के लिए और भी महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

राजनीति से ऊपर रखा शहर का विकास

नगर उपाध्यक्ष मल्लेशयाम येरोला ने कहा कि शहर का विकास ही हमारा पहला लक्ष्य है. विकास कार्यों को लेकर राजनीति को दूर रखते हुए सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास किया गया है. पवन तलाब का सौंदर्यीकरण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय का एक उदाहरण है. उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में इसी तरह आपसी तालमेल बनाए रखते हुए शहर के विकास कार्यों को आगे भी गति दी जाएगी।

पवन तलाव को मिली नई पहचान

नमो उद्यान योजना के तहत हुए विकास कार्यों ने पवन तलाब को नया स्वरूप देने के साथ ही गोरेगांव शहर को एक ऐसा सार्वजनिक स्थल दिया है, जहां नागरिक सुकून के पल बिता सकते हैं. बेहतर बैठक व्यवस्था, हरियाली, बच्चों के लिए मनोरंजन की सुविधाएं, ग्रीन जिम और सुरक्षा व्यवस्था के कारण पवन तलाब अब गोरेगांव के प्रमुख आकर्षण केंद्रों में शामिल होता जा रहा है. विकास, सौंदर्यीकरण और बेहतर राजनीतिक समन्वय का यह मॉडल आने वाले दिनों में गोरेगांव के अन्य विकास कार्यों के लिए भी नई दिशा तय कर सकता है।

रक्त का रंग एक ही, इंसानियत सबसे बड़ी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। भारतीय जनता पार्टी के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, देवरी मंडल की ओर से रविवार को आफताब मंगल कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया. शिविर में 53 हिंदू-मुस्लिम युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया. विशेष रूप से मुस्लिम समाज के युवाओं ने बड़ी संख्या में रक्तदान में सहभागिता दर्ज कराते हुए सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष आफताब शेख के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का उद्घाटन विधायक संजय पुराम ने किया. इस अवसर पर भाजपा संगठन मंत्री वीरेंद्र अंजनकर तथा नगर अध्यक्ष संजू उईके प्रमुख रूप से उपस्थित थे. अतिथियों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान जैसे सेवाभावी उपक्रम समाज में भाईचारे और आपसी सद्भाव को मजबूत करते हैं. शिविर में गोंदिया की लोकमान्य ब्लड बैंक तथा अमन ब्लड बैंक (सिटी हॉस्पिटल) की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने सुरक्षित तरीके से रक्त संकलन किया. कुल 53 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए अपना योगदान दिया. शिविर की सफलता के लिए आफताब शेख, नितेश वालोदे, संजू दरवडे, शकील कुरेशी, संदीप भाटिया, मनोज मिरी, प्रवीण दहीकर, विजय गहाणे, विलास शिंदे, माजिद खान, इमरान खान, जुबीन खान, सादिक मिर्जा, इलियास कुरेशी, जाफर कुरेशी, गोपाल तिवारी, विनोद भेंडारकर, अर्शद बेग, वाजिद मेमन, बंटी पठान सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रयास किए. शिविर के माध्यम से देवरी में सामाजिक सौहार्द और मानवता का संदेश दिया गया।

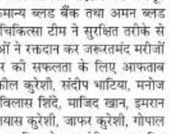

अंतिम गेंद पर ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज 3-0 से जीती

हरारे। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 मैच को अंतिम गेंदब पर जीतकर तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इस बेहद रोमांचक मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अंतिम गेंद पर जीत मिलने के साथ ही मेजबान टीम के प्रशंसकों का सपना टूट गया।

मेजबान टीम जिम्बाब्वे इस मैच में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। जब एक गेंद, एक रन और ऑस्ट्रेलिया का आखिरी विकेट जीत और हार के बीच झूल रहे थे तब किस्मत ने ऑस्ट्रेलिया का साथ दिया। जिससे वह रोमांचक मुकाबले में 1 गेंद शेष रहते 1 विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। यह मुकाबला अंतिम सांसों तक चला, जिसने क्रिकेट प्रेमियों की सांसें थम गयीं।

वहीं इससे पहले, जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 271 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। कप्तान सिकंदर रजा ने कप्तानी पारी खेलते हुए 81 रनों का योगदान दिया, जबकि क्रेग एर्विन ने 59 और इनोसेंट काइया ने 55 रन बनाए। यह एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य था, और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने अपनी टीम को मैच में बनाए रखने का भरसक प्रयास किया।

इसके बाद 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान मिचेल मार्श महज 8 रन और खतरनाक ट्रेविस हेड सिर्फ 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ब्रैड इवांस की धारदार गेंदबाजी ने शुरुआती झटकों से टीम को मुश्किल में डाल दिया। ऐसे वक्त में जोश इंग्लिस और कूपर कोनोली ने तीसरे विकेट के लिए 52 रनों की जुझारू अर्धशतकीय साझेदारी कर पारी को संभाला, हालांकि कोनोली 21 रन पर आउट हो गए।

इसके बाद, इंग्लिस ने एलेक्स कैरी (34) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 85 रनों की बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य की ओर बढ रही थी पर तभी कैरी के आउट होते ही मैच पलट गया। ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम ढ़ह गया जिसके बाद टीम अचानक 206 रन पर 7 विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई, जिससे जिम्बाब्वे के खेमे में जीत की नई उम्मीद जग गई।

इन सब के बीच इंग्लिस एक एक छोर पर डटे रहे। उन्होंने दबाव की परिस्थितियों में अपनी परिपक्वता का परिचय देते हुए 102 गेंदों में 103 रनों की अनुशासित शतकीय पारी खेली।

मैच पूरी तरह रोमांचक मोड़ पर था, जब 42वें ओवर की पहली गेंद पर सिकंदर रजा ने इंग्लिस को आउट कर मैच में सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। इंग्लिस के आउट होते ही जिम्बाब्वे की जीत सुनिश्चित लग रही थी, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को अभी भी 45 रनों की दरकार थी और उसके पास विकेट नहीं बचे थे। देखते ही देखते 245 के कुल स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का नौवां विकेट भी गिर गया। जिम्बाब्वे अब जीत से केवल एक विकेट दूर था, जबकि ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए करिश्मे की जरूरत थी।

ऐसे रोमांचक मोड़ पर नेथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन ने अपनी टीम को जीत दिलाकर इतिहास रच दिया।

ऋषभ को अब एकदिवसीय में अवसर मिलने की संभावना नहीं - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि जिस प्रकार से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में शामिल नहीं किया गया है उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में शायद ही अवसर मिले। चोपड़ा के अनुसार लगता है चयनकर्ताओं ने सफेद गेंद के क्रिकेट में ऋषभ के भविष्य को लेकर फैसला कर लिया है, और उनकी राय में यह लगभग अलविदा कहने जैसा है।उन्होंने कहा, ऋषभ त का मामला बहुत ही अजीब और अनोखा है। हालांकि, वह टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और लाल गेंद की टीम के एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं, फिर भी वहां उनसे उप-कप्तानी की जिम्मेदारी ले ली गई। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में बिना खेले ही उन्हें एक तरह से बाहर कर दिया गया है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि हालांकि ये क्रिकेट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने हुए हैं पर एकदिवसीय टीम में उनकी जगह बदलती दिख रही है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने उन्हें ईरानी कप के लिए शेष भारत का कप्तान बनाए जाने को लेकर कहा कि लाल गेंद के क्रिकेट में ये एक प्रकर से उन्हें महत्व दिये जाने का संकेत है। उन्होंने कहा, साथ ही उन्हें रेस्ट ऑफ इंडिया का कप्तान बनाया गया है, जो यह भी बताता है कि लाल गेंद के क्रिकेट के संबंध में वे ऋषभ के लंबे प्रारूप में बड़ी भूमिका निभाने को लेकर बहुत गंभीर हैं, लेकिन सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए, फिलहाल मुझे लगता है कि इस समय चयन समिति ने अपना मन बना लिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत ने 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं, और चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस बल्लेबाज पिछले चार वर्षों में केवल एक एकदिवसीय खेला है। वहीं साल 2024 टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए विकेटकीपिंग के विकल्पों में ध्रुव जुरेल को मौका दिया गया है, जबकि श्रेयस अय्यर की जगह केएल राहुल को उप-कप्तान बनाया गया है।

चोपड़ा ने 2027 विश्व कप की तैयारी के तहत भारत के व्यापक वनडे समूह में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा की भविष्यवाणी की, जो दोनों इस टीम का हिस्सा हैं और जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने प्रभावित किया है। उन्होंने तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी समर्थन किया और उम्मीद जताई कि अगर उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो वह इसका पूरा फायदा उठाएंगे। साथ ही कहा कि कि भारतीय क्रिकेट एक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां युवा प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के लिए एक मजबूत टीम बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कॉन्स ने जीता कैरेबियन प्रीमियर लीग खिताब

जमैका। एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कॉन्स कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 की नई विजेता के तौर पर उभरी है।एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कॉन्स ने एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में जमैका किंग्समैन को आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब जीता है। इस मुकाबले में, पहले बल्लेबाजी करते हुए जमैका किंग्समैन ने निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 170 रन बनाये। इसके बाद एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कॉन्स ने इस लक्ष्य को केवल दो विकेट के नुकसानर पर 20 गेंदें शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे उन्होंने इतिहास रच दिया।

जमैका किंग्समैन की ओर से पाकिस्तानी बल्लेबाज माज सदाकत ने एक आसाधारण पारी खेली। उन्होंने मात्र 58 गेंदों में 114 रन बनाये। जिसमें कई अच्छे शॉट्स शामिल थे, जिससे जमैका किंग्समैन 9 विकेट पर 170 रनों तक पहुंच सकी। माज सदाकत कैरेबियन प्रीमियर लीग के फाइनल में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज भी बने। उनके बाद टीम के दूसरे सबसे बड़े स्कोरर सईम अयूब रहे, जिन्होंने 22 गेंदों पर 29 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया और एक विकेट भी लिया। माज की यह ऐतिहासिक पारी भी जमैका किंग्समैन को जीत नहीं दिला पायी।

भारत के पार्थ, रुद्रांक्ष और हिमांशु ने 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत जीता

नगोया। जापान के नगोया में जारी एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने अपने अच्छे प्रदर्शन के बरकरार रखते हुए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत पदक जीता है। इसी के साथ ही भारत को इन खेलों का तीसरा पदक मिला है। ये तीनो ही पदक उसे निशानेबाजी में मिले हैं।

पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम में शामिल पार्थ राकेश माने, रुद्रांक्ष पाटिल और युवा हिमांशु ढिल्लों की तिकड़ी ने 1890.1 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 1899.9 अंकों के साथ इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चीन ने जीता है जबकि दक्षिण कोरिया ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के साथ ही रुद्रांक्ष और हिमांशु ने 10 मीटर एयर राइफल के व्यक्तिगत फाइनल में भी अपनी प्रवेश किया है। रुद्रांक्ष ने क्वालिफिकेशन राउंड में 631.8 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जबकि हिमांशु 630.0 अंकों के साथ ही सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे। वहीं टीम के तीसरे सदस्य पार्थ राकेश माने 628.3 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहे और व्यक्तिगत फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए।

वहीं निशानेबाजी के अलावा अन्य खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी छाप छोड़ी। टेबल टेनिस में, महिला एकल वर्ग में सुतीर्था मुखर्जी ने पाकिस्तान की अलीना खान को आसानी से 11-3 के स्कोर से हराया। सेपकटकरा में भारतीय पुरुष टीम ने अपने पहले मैच में मेजबान जापान को सीधे सेटों में हराया। एक शानदार शुरुआत है। तैराकी में, भारत के शीर्ष तैराक श्रीहरि नटराज ने पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में 25.37 सेकंड का समय निकालकर फाइनल में जगह बनाई, जिससे भारत को एक और पदक की उम्मीद बनी है। ऋषभ दास 25.41 सेकंड के साथ 10वें स्थान पर रहे और पहले रिजर्व तैराक बने।

इसके अलावा अन्य खेलों की बात करें तो भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम का मुकाबला पाकिस्तान से होगा, वहीं कबड्डी में पुरुष टीम जापान से और महिला टीम बांग्लादेश से भिड़ेगी। बैडमिंटन में पुरुष टीम पहले दौर में बांग्लादेश के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी, जबकि बॉक्सिंग में सुमित 70 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-32 में थाईलैंड के सिॉसरी ब्रुनजॉग का सामना करेंगे।

भारतीय महिला टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

नागोया । भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने यहां जारी एशियाई खेलों 2026

में जीत के साथ शुरुआत की है। भारतीय टेबल टेनिस टीम ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को आसानी से 3-0 से हराया। भारतीय टीम की सुतीर्था मुखर्जी, सिंड्रेला दास और श्रीजा अकुला की तिकड़ी ने बेहतरीन तालमेल और कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

भारत को अच्छी शुरुआत सुतीर्था मुखर्जी ने दिलायी। उन्होंने पहले मुकाबले में पाकिस्तान की अलीना को कोई अवसर नहीं दिया। सुतीर्था ने अपने आक्रामक खेल और सटीकता से पहले गेम को 11-3 से जीता। वहीं दूसरे गेम में भी वह हावी रही और मुकाबला 11-3 से जीता। तीसरे गेम में भी सुतीर्था ने 11-4 से जीत हासिल करमुकाबले में 1-0 की अहम बढ़त बनायी।

वहीं एकल मुकाबले में भारत की सिंड्रेला दास ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पाकिस्तान की कुलसूम खान को कोई अवसर नहीं देते हुए उन्हें 11-6, 11-7, 11-5 से सीधे सेटों में हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली। वहीं तीसरे और निर्णायक मुकाबले में श्रीजा अकुला ने पाकिस्तान की फातिमा खान को एकतरफा मुकाबले में 11-4, 11-4 और 11-5 से हराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। श्रीजा की जीत के साथ ही भारतीय महिला टेबल टेनिस टीमक्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी।

पनेसर ने वैभव की तकनीक पर सवाल उठाये, टेस्ट में सफलता पर संदेह जताया

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पानेसर ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की तकनीक पर सवाल उठाये हैं। पनेसर का कहना है कि आजकल वैभव की काफी चर्चाएं हैं और वह भी टेस्ट खेलने को लेकर दावेदारी पेश कर रहे हैं पर मेरा मानना है कि वह इसमें शायद ही सफल हो पायें। पानेसर ने वैभव की टेस्ट तकनीक पर भी सवाल उठाये हैं। हाल ही में वैभव ने दलीप ट्रॉफी में ने तीन मैचों में दो अर्धशतकों सहित 151 रन बनाकर बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और टेस्ट टीम के लिए दावेदारी पेश की है। स्वयं वैभव ने कई मौकों पर कहा है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है और वह आगे चलकर भारत के लिए इस प्रारूप में खेलना चाहते हैं।वहीं पानेसर का मानना है कि वैभव के पास टेस्ट क्रिकेट के लिए आवश्यक तकनीक नहीं है। पानेसर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट में ढल पाएंगे। अभी हैरी ब्रूक ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो टेस्ट और टी20 दोनों में शीर्ष 10 में हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि सूर्यवंशी के पास वह तकनीक है जो टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी है।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क पनेसर से सहमत नहीं दिखते। उन्होंने एबी डिविलियर्स और विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि वैभव सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। क्लार्क ने तर्क दिया, मुझे लगता है कि आप तीनों प्रारूप खेल सकते हैं। विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने यह करके दिखाया है। ये खिलाड़ी शानदार टेस्ट क्रिकेटर और बेहतरीन टीम20 क्रिकेटर भी थे। अगर वैभव जैसा इस पीढ़ी का कोई खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में आता है, तो उसे खेलते देखना अद्भुत होगा। हालांकि क्लार्क ने यह सवाल भी उठाया कि क्या वैभव टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जो कि वैभव के स्वयं के बयानों को देखते हुए विरोधाभासी लगता है।यह बहस क्रिकेट जगत में युवा प्रतिभाओं के लिए तीनों प्रारूपों में संतुलन साधने की चुनौती को रेखांकित करती है। जहां सफेद गेंद क्रिकेट में वैभव की क्षमता निर्विवाद है, वहीं लाल गेंद के खेल में उनकी तकनीक को लेकर अलग-अलग मत हैं। अब देखना यह होगा कि समय के साथ वैभव सूर्यवंशी इन उम्मीदों और शंकाओं के बीच कैसे अपना रास्ता बनाते हैं और भारतीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाते हैं।

भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के हेटमायर, होप और कामिल से रहना होगा सावधान

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी क्रिकेट सीरीज में पूरी तैयारी से उतरना होगा। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद 6 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस दौरार भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायर, शाई होप और नये खिलाड़ी कामिल पूरन से विशेष रुप से सावधान रहना होगा। इसका कारण है कि ये तीनों ही अच्छी लय में चल रहे है। हेटमायर ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के क्वालीफायर में शतक लगाकर आ रहे है। हेटमायर ने पूरे टूर्नामेंट में 45.87 की प्रभावशाली औसत से 367 रन बनाए थे। भारत दौरे पर वह केवल टी20 सीरीज का हिस्सा होंगे, लेकिन भारतीय पिचों पर उनका रिकॉर्ड बेहद अच्छा रहा है। से उनकी सर्वाधिक तीन अर्धशतकीय पारियां भारत में ही आई हैं, जो यह दर्शाती है कि उन्हें यहाँ खेलना कितना पसंद है। हेटमायर भारतीय गेंदबाजों के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं, जिसका सबूत उनके 2026 के टी20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़े भी हैं।उन्होंने इस साल 40.43 के औसत से 566 रन बनाए हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है।

वहीं दोनो ही प्रारुपों एकदिवसीय और टी20 में कप्तान शाई होप भी उन खिलाड़ियों में से हैं, जिन्हें भारतीय पिचों पर खेलना खूब रास आता है। भारत में उन्होंने अब तक 14 एकदिवसय पारियों में तीन शतक और इतनी ही अर्धशतकीय पारियां खेली हैं, जहाँ उनका वनडे औसत 74.10 का प्रभावशाली रहा है। यह आंकड़ा उनकी निरंतरता और भारतीय परिस्थितियों में अनुकूलन क्षमता का प्रमाण है। टी20 प्रारूप में भी उनका बल्ला भारत आकर खूब चलता है। शाई होप वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ की हड्डी के समान होंगे, जिनके पास अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की अद्भुत क्षमता है और वे लंबी पारियां खेलने के लिए जाने जाते हैं। 30 वर्षीय कामिल पूरन को टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया है। भले ही वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया चेहरा हों और अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रहे हों, लेकिन उनके टी20 आंकड़े उनकी जबरदस्त प्रतिभा की गवाही देते हैं। कैरेबियन प्रीमियर लीग के अपने सबसे पहले सीजन में उन्होंने 8 मुकाबलों में 273 रन बनाए और सेंट लूसिया किंग्स के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कामिल पूरन ने घरेलू सर्किट में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है और अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का मौका मिला है। इस आगामी सीरीज में सभी की निगाहें कामिल पर टिकी होंगी कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कैसा प्रदर्शन करते हैं।

एसए टी-20 लीग का पांचवा सत्र होगा विशेष, मिचेल मार्श से लेकर सैम कुरेन तक खेलेंगे

जोहांबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए टी-20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के ऑलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा।

मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जॉर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा।वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं। उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और ऑस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं। कैपिटल्स के पास पहले से ही डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी और भी जबरदस्त दिख रही है। वहीं इग्लैंड के एक और ऑलराउंडर विल जैक्स अब कैपिटल्स से एमआई केपटाउन टीम में शामिल हो गए हैं।

एसए20 लीग के कमिश्नर और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने इन बड़े खिलाड़ियों की मौजूदगी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मिचेल मार्श, सैम कुरेन और फिल साल्ट जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का लीग में शामिल होना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है।

एंड्रीज की शानदार पारी से एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स ने ईटीपएल खिताब जीता

एडिनबर्ग । एंड्रीज गौस के शानदार प्रदर्शन से एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स ने पहली बार आयोजित हुए यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपएल) के खिताबी मुकाबले में बेलफास्ट वॉल्व्स को हराया। इस मैच में जीत के लिए मिले 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉकर्स की ओर से एंड्रीज की शानदार पारी से एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स ने ईटीपएल खिताब जीता। एंड्रीज ने नाबाद 90 रनों की संयमित पारी खेलकर एडिनबर्ग को चैंपियन बनाया। इसके पहले गेंदबाजी में ट्रेंट बोल्ट और मार्क वाट के सामने बेलफास्ट वॉल्व्स के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम 150 रन ही बना पायी।

खिताबी मुकाबले में गौस बेलफास्ट वॉल्व्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर चार रन बनाकर गौस ने रॉकर्स को जीत दिलायी। वहीं इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेलफास्ट वॉल्व्स की टीम निर्धारित ओवरों में सिर्फ 150 रन ही बना सकी। उनकी ओर से टिम टेक्टर ने 62 गेंदों पर संघर्षपूर्ण 84 रन बनाए पर अन्य बल्लेबाजों के विफल रहने से टीम इसमें सफल नहीं रही।

बेलफास्ट की शुरुआत बेहद धीमी रही, वे रॉकर्स के तेज गेंदबाज बोल्ट की स्विंग के सामने टिम नहीं पाये। टिम टेक्टर और पॉल स्टर्लिंग शुरुआती दो ओवरों में महज सात रन ही बना सके। टेक्टर ने बाद में आक्रामक रुख अपनाते हुए कुछ बड़े शॉट लगाए पर कैसल रॉकर्स के गेंदबाजों ने रनों को फिर रोक दिया। मार्क वाट, मिचेल सेंटनर और टॉम करन की सटीक ई गेंदबाजी के सामने वॉल्व्स के बल्लेबाज अपने हाथ नहीं खोल पाये।

सेवा संकल्प अभियान में सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

'विकसित भारत-मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता, 182 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकसित भारत की कल्पना को लेकर जब विद्यार्थियों ने अपनी सोच को रंगों और शब्दों में उतारा तो सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव का परिसर प्रतिभाओं से सराबोर नजर आया। किसी ने अपनी चित्रकला में विकसित भारत की तस्वीर उकेरी तो किसी ने भाषण के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समानता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को सामने रखा। अवसर था सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 21 सितंबर को विद्यालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बीआर गुरदे एवं अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती के पूजन के साथ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

182 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

'विकसित भारत—मेरे सपनों का भारत' विषय पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में 127 तथा भाषण प्रतियोगिता में 55 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां इतनी प्रभावी रहीं कि विजेताओं का चयन निर्णायक मंडल के लिए भी चुनौतीपूर्ण रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम रावते ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में प्रतिभा होती है, जरूरत उसे पहचानकर निखारने की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने का कार्य सराहनीय है। युवराज भटेरे ने कहा कि विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों से नहीं बनेगा। इसके लिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना, सामाजिक भेदभाव समाप्त करना और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है।

प्रतियोगिताओं में इन विद्यार्थियों ने बाजी मारी

प्राथमिक विभाग की भाषण प्रतियोगिता में पंकज महिश्वरे प्रथम रहे। चित्रकला में अलिषा चिले प्रथम, धरा गुरदे द्वितीय एवं मानवी रावते तृतीय रहीं। माध्यमिक विभाग की भाषण प्रतियोगिता में डिलेश्वरी घोरमारे प्रथम, रिनिमा बापुरे द्वितीय एवं काव्या बहेकार तृतीय रहीं। उच्चतर माध्यमिक विभाग की भाषण प्रतियोगिता में धैर्य एडे प्रथम, पलक अस्तने द्वितीय एवं हिमांशी बारबुधे तृतीय रहीं। चित्रकला में भूमिका बिलोने प्रथम, आरती कलपुरे द्वितीय तथा जान्हवी चौधरी, रौनक बागड़े एवं बादल नगपुरे संयुक्त रूप से तृतीय रहे। सभी विजेता एवं प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्राचार्य बोले- हर नागरिक की भागीदारी जरूरी

प्राचार्य बीआर गुरदे ने कहा कि 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। विकसित राष्ट्र का निर्माण केवल शासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सार्थक योगदान से होगा। विद्यार्थियों में इसी जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को विकसित करना सेवा संकल्प अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम में सीताराम रावते, अशोक बापुरे, बीआर बापुरे, मेहतरलाल बुढाक्ने, युवराज भटेरे सहित अन्य गणमान्य नागरिक, पालकगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय का सह-शैक्षणिक स्टाफ मौजूद रहा। संचालन वरिष्ठ शिक्षक सरोज कुमार पटेल ने किया।

न्यायिक अधिकारी-कर्मचारियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जारी एडवाइजरी के पालन में जिला न्यायालय बालाघाट एवं तहसील न्यायालय लांजी, कटंगी तथा वारासिवनी के न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट में विशेष मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 से अधिक न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण ने प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बालाघाट, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी रघुबीर प्रसाद पटेल एवं सिविल सर्जन श्री निलय जैन की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सकों द्वारा आवश्यक चिकित्सीय सलाह प्रदान की गई। इस दौरान प्रथम जिला न्यायाधीश एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्रीमती तब्बस्सुम खान, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मनीष कुमार सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सोनी, अविनाश छारी, सौरभ गोस्वामी, राज पाण्डे, श्रीमती निहारिका व्यास, ईशान डेंगुला सहित न्यायिक कर्मचारी एवं मेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने बताया कि उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स के स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए एडवाइजरी जारी की गई है। इसी के तहत जिला न्यायालय बालाघाट, कुटुम्ब न्यायालय बालाघाट तथा तहसील न्यायालय कटंगी, लांजी एवं वारासिवनी में मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए गए। शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण के साथ चिकित्सीय सलाह भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय के लिए संचालित विभिन्न विधिक योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सतीश शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ का शिविर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

जन चौपाल में ग्रामीणों को नशामुक्ति, साइबर फ्रॉड और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/बिरसा। थाना बिरसा अंतर्गत ग्राम दमोह में 20 सितंबर को आयोजित हाट बाजार के दौरान ग्राम गर्राटोला स्थित चर्च मैदान में जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस द्वारा आयोजित इस जन चौपाल का उद्देश्य आमजन और ग्रामीणों को विभिन्न सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी विषयों के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित किया गया जिसमें पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की। जन चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही और लगभग 300 लोग कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

नशामुक्ति को लेकर किया जागरूक

पुलिस द्वारा ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। युवाओं को नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है।

हेलमेट और यातायात नियमों का पालन करने की अपील

जन चौपाल में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर भी जागरूकता अभियान चलाया गया। ग्रामीणों को दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने तथा स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखने की समझाइश दी गई।

साइबर फ्रॉड से बचाव के बताए उपाय

बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस ने ग्रामीणों को साइबर ठगी से बचने के महत्वपूर्ण उपाय बताए। अनजान व्यक्ति को ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, एटीएम,डेबिट कार्ड विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की समझाइश दी गई। साथ ही संदिग्ध लिंक, फोन कॉल और ऑनलाइन ठगी के मामलों में सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल संबंधित माध्यम से शिकायत करने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। पुलिस ने महिला सुरक्षा के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता लेने की अपील की। महिलाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध की स्थिति में बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।जन चौपाल के दौरान पुलिस ने ग्रामीणों से पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास बनाए रखने की अपील की। ग्रामीणों ने भी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई।सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह जन चौपाल ग्रामीणों को सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और साइबर अपराध से बचाव के प्रति सजग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

गांव में बंदरों का उत्पात, महिला पर किया हमला

हमले में घायल महिला को लगे सात टांके

पदमेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में बंदरों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है. बंदरों के झुंड आए दिन गांवों में घुसकर घरों के आसपास रखी फल-सब्जियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं. अब बंदरों के हमले में एक महिला घायल होने की घटना सामने आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाल ही में तिरोड़ा तहसील के बोपेसर गांव में 40 वर्षीय मंगला गोपीचंद भेलावे अपने घर पर काम कर रही थीं. इसी दौरान एक बंदर ने अचानक उन पर हमला कर दिया. हमले में महिला घायल हो गई. परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उनके जख्म पर सात टांके लगाए. ग्रामीणों के अनुसार पिछले कुछ समय से बंदरों के झुंड नियमित रूप से गांव में पहुंच रहे हैं. बंदर घरों की छतों, आंगन और आसपास के परिसर में घूमते रहते हैं. ये फल-सब्जियां उठाकर ले जाने के साथ ही कई बार घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचाते हैं. बंदरों के अचानक आक्रामक होने से विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में भय बना हुआ है. ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उन्हें आबादी क्षेत्र से दूर रखने के लिए अब तक प्रभावी उपाय नहीं किए गए हैं।

सुरक्षित तरीके से बंदरों को हटाने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों के उत्पात से अब केवल फल-सब्जियों और घरेलू सामान का नुकसान ही नहीं हो रहा, बल्कि लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है. उन्होंने वन विभाग व प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर आबादी क्षेत्र से दूर छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और ग्रामीणों को राहत मिल सके।

प्रिया ताम्रकार मृत्यु मामले में तीन साल बाद नया मोड़, शिक्षक गिरफ्तार

पदमेश न्यूज। गोंदिया। रुक्मिणीदेवी जूनियर कॉलेज, ककोडी से जुड़े वर्ष 2023 के प्रिया शैलेश ताम्रकार मृत्यु मामले में करीब तीन साल बाद जांच ने नया मोड़ लिया है. फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आने के बाद पुलिस ने एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है. पूछताछ के लिए आरोपी शिक्षक विकेश अंबादे को पुलिस रिमांड पर लिया गया है. मामले में आगे और खुलासे की संभावना है. पुलिस जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, आरोपी शिक्षक विकेश अंबादे और मृतका प्रिया ताम्रकार के बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आई थी. आरोप है कि इसी दौरान मानसिक प्रताड़ना के चलते प्रिया ने आत्महत्या कर ली थी. मामले जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद पुलिस ने मामले को आरोपी से पुलिस हिरासत में पूछताछ की जा रही है. पुलिस फिलहाल फॉरेंसिक साक्ष्यों, गवाहों के बयान और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर मामले की जांच कर रही है. अंतिम निष्कर्ष न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा. प्रिया के पिता शैलेश ताम्रकार ने गिरफ्तारी पर संतोष जताते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया है. उन्होंने मामले की गहन जांच करने और यदि किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की है।

18 गांवों सहित नपं की जलापूर्ति पर संकट

1.69 करोड़ की बिजली बकाया पर चल रही जलापूर्ति योजना

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के नागरिकों को स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई क्षेत्रीय जलापूर्ति योजनाओं की स्थिति दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है. तहसील की चार क्षेत्रीय जलापूर्ति योजनाओं में से खांबी-शिरेगांव योजना बिजली आपूर्ति खंडित होने से बंद है, जबकि रामपुरी योजना पाइपलाइन टूटने के कारण ठप पड़ी है. दूसरी ओर अर्जुनी मोरगांव क्षेत्रीय जलापूर्ति योजना 1 करोड़ 69 लाख 29 हजार 80 रु. की बिजली बकाया के बोझ तले उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के सहारे चल रही है।

अर्जुनी मोरगांव क्षेत्रीय जलापूर्ति योजना वर्ष 2015 से सुजल बहुउद्देशीय सामाजिक सेवा समिति को देखरेख व मरम्मत के लिए दी गई है. संस्था द्वारा रखरखाव का काम किया जाता है, जबकि संपूर्ण बिजली बिल का भुगतान जिला परिषद की जिम्मेदारी है. बिजली बिलों का भुगतान नहीं होने से बकाया राशि लगातार बढ़ती गई. उपलब्ध जानकारी के अनुसार गोठणगांव स्थित मीटर क्र. 443000417709 पर 56 लाख 49 हजार 60 रु., मीटर क्र. 443000400598 पर 80 लाख 51 हजार 950 रु. तथा मोरगांव स्थित मीटर क्र. 435910441104 पर 32 लाख 28 हजार 70 रु. बिजली बिल बकाया है. इस तरह कुल बकाया राशि 1 करोड़ 69 लाख 29 हजार 80 रु. तक पहुंच गई है. महावितरण की ओर से वर्ष 2022 में बिजली आपूर्ति काटने की सूचना दिए जाने के बाद संबंधित संस्था ने उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया था. इसके बाद योजना को स्थगन आदेश मिला. परिणामस्वरूप आज भी जलापूर्ति व्यवस्था न्यायालय के आदेश के आधार पर संचालित हो रही है. लाभार्थी नागरिकों का सवाल है कि इतनी बड़ी जलापूर्ति योजना आखिर कब तक न्यायालय के स्थगन आदेश के सहारे चलती रहेगी? अर्जुनी मोरगांव क्षेत्रीय जलापूर्ति योजना में 18 गांवों और नगर पंचायत का समावेश है. गोठणगांव के मजबूत जलस्रोत पर आधारित इस योजना में चार स्तरीय जलशुद्धीकरण केंद्र भी हैं. पर्याप्त क्षमता और जलस्रोत उपलब्ध होने के बावजूद बिजली बिल के भुगतान के अभाव में पूरी व्यवस्था संकट में आ गई है।

निधि के उपयोग पर भी उठ रहे सवाल

एक ओर जिला नियोजन समिति के माध्यम से जिला परिषद की जलापूर्ति योजनाओं और मरम्मत के लिए करीब 9 करोड़ रु. की निधि उपलब्ध होने की चर्चा है. वहीं जिला परिषद के 20 प्रश. निधि का उपयोग आखिर कहां किया गया, इसका हिसाब भी नागरिक मांग रहे हैं. जलापूर्ति जैसी मूलभूत सुविधा को लेकर ठोस आर्थिक नियोजन की आवश्यकता है. नागरिकों का कहना है कि 'जल नीति 2026' के अनुरूप दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन कर योजनाओं को स्थायी आधार देना जरूरी है।

सत्तापक्ष-विपक्ष की भूमिका पर भी सवाल

वर्तमान जिला परिषद अध्यक्ष इसी तहसील से होने के कारण नागरिकों को जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार की अपेक्षा थी. लेकिन योजनाओं की मौजूदा स्थिति को लेकर नागरिकों में नाराजगी है. विरोधी दल कांग्रेस की ओर से भी इस मुद्दे पर अपेक्षित आवाज नहीं उठाए जाने की चर्चा क्षेत्र में है. नागरिकों का कहना है कि जलापूर्ति जैसी गंभीर समस्या पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ठोस पहल करनी चाहिए।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर बालाघाट में गूंजेगा राष्ट्रगीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा देशभर में नमामि भारतम् कार्यक्रम के तहत सामूहिक राष्ट्रगीत गायन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बालाघाट स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में भी 25 सितंबर, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए एक समय, एक लय, एक स्वर वंदे मातरम् को मूलमंत्र बनाया गया है। कार्यक्रम की जानकारी विद्यालय समिति के उपाध्यक्ष अजय कोचर, सचिव प्रदीप गुप्ता, विद्यालय के प्राचार्य राजेश राहंगडाले, संयोजिका कुंता नेवारे एवं सावित्री राहंगडाले द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में दी गई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, राष्ट्रभक्ति की भावना और समाज में एकता के भाव को मजबूत करना है।

28 सितंबर को मनाया जाए अंतरराष्ट्रीय सूचना अधिकार दिवस

पदमेश न्यूज। गोंदिया। 28 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय सूचना अधिकार दिवस के रूप में जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में मनाने की मांग की गई है. इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता रोशन बडोले की ओर से जिलाधिकारी मंदार पत्की के नाम निवेदन निवासी उपजिलाधिकारी भैयासाहेब बेहेरे को सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता सर्वोपरि है. शासकीय कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नागरिकों को शासन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 अस्तित्व में आया है. सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय मुंबई के 20 सितंबर 2008 के परिपत्र के अनुसार सूचना के अधिकार अधिनियम की विभिन्न धाराओं व कार्यप्रणाली की व्यापक जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के लिए विविध माध्यमों से जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं. बडोले ने मांग की कि अंतरराष्ट्रीय सूचना अधिकार दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों के साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में प्रश्नमंजुषा, चित्रकला, निबंध व वक्तृत्व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए. इसके अलावा स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के माध्यम से तथा अशासकीय व सामाजिक संगठनों के सहयोग से सूचना के अधिकार को लेकर व्यापक जनजागृति अभियान चलाया जाए. ज्ञापन में सूचना के अधिकार के प्रति विद्यार्थियों व आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित करने की भी मांग की गई है।

विश्व हिन्दु परिषद् धर्म प्रसार विभाग की अभिनव पहल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व हिन्दू परिषद धर्म प्रसार विभाग का 15 सितम्बर से 30 सितंबर तक कार्यविस्तर योजना अभियान के अंतर्गत दिनांक 19 सितम्बर को किरनापुर प्रखंड के अनेक गांव में संपर्क किया गया जिसमें किन्ही , कंहरा, चित्रूटोला , चगेरा, ककोड़ी , भानेगांव आदि ग्राम में बैठक कर संगठन इकाई का विस्तार किया गया । शायं 6 बजे लांजी तहसील चिकित्सालय में स्वास्थ लाभ ले रहे हमारे बैगा जाति के परिवारों से भेंट कर उनसे स्वास्थ के संबंध में सभी अस्पताल में दाखिल बच्चों एवं परिवार से संवाद किया गया और छोटे बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की भगवान से प्राथना की एवं परिवारों से निवेदन किया कि सभी के पूरी तरह स्वस्थ होने तक यहा रहे सरकार के द्वारा प्रदाय सभी व्यवस्था का लाभ ले । विश्व हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष एवं लाजी के युवा समाज सेवी विधान जोगी के व्यक्तिगत प्रयत्न एवं समाज के कुछ दान वीरों के सहयोग से विगत 1 माह से निःशुल्क भोजन व्यवस्था संचालित किया जा रहा था उनके भोजन प्रसादी कार्यक्रम में शामिल होकर अस्पताल में दाखिल अस्वस्थ बच्चों एवं उनके परिवार को भोजन वितरण कर भोजन व्यवस्था कार्य में सेवा करने का अवसर मिला । इस अवसर पर सभी उपस्थित जन , डाक्टर एवं सेवा भावी विधान की पूरी टीम के सेवाभावी कार्य की प्रशंसा कर विधान जोगी को भगवा पट्टा पहनकर कर सम्मान विश्व हिन्दू परिषद धर्मप्रसार छेत्र प्रमुख ललित पारधी ने किया उपस्थिति सभी को बधाई शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर भोपाल छेत्र धर्मप्रसार प्रमुख ललित पारधी , अस्पताल के सभी डाक्टर एवं स्टॉप सह कर्मी , विश्व हिन्दू परिषद जिला उपाध्यक्ष विधान जोगी , जिला धर्मप्रसार प्रमुख शैलेन्द्र बिसेन , धर्म रक्षक लेखराम खरे , सुनील टेम्भरे, तिलक सिंह ,विजय भंडारकर , रेखलाल उमरे, मनोहर टाकरे आदि उपस्थित थे।

किरनापुर कांड पर विधायक अनुभा मुंजारे का एसपी पर सीधा हमला..कहा..

निर्दोषों पर कार्रवाई बर्दाश्त नहीं

चौधरी दंपती से कथित मारपीट के बाद हुए प्रदर्शन में कार्रवाई को लेकर उठाए सवाल, कहा थाने में तोड़फोड़ करने वालों पर हो कार्रवाई, लेकिन निर्दोषों को न घसीटे पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने में 15 सितंबर को हुए पथराव और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस की कार्रवाई के बीच बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने पुलिस की जांच और कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। 21 सितंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में विधायक ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से जिले से बाहर थीं, लेकिन किरनापुर में चौधरी दंपती के साथ हुई कथित मारपीट और उसके विरोध में हुए प्रदर्शन के बाद की घटनाओं की जानकारी उन्हें मिली है। उन्होंने कहा कि थाने में तोड़फोड़ और कानून हाथ में लेने की घटना का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन यदि कार्रवाई के नाम पर निर्दोष लोगों को मामले में घसीटा जा रहा है तो यह भी उचित नहीं है।

विधायक मुंजारे ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच की जानी चाहिए। उनका आरोप है कि कुछ ऐसे लोगों को भी प्रकरण में शामिल किया जा रहा है, जिनकी घटना में प्रत्यक्ष भूमिका नहीं रही। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की घटना में संलिप्तता है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन निर्दोष लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि चौधरी दंपती के साथ हुई कथित मारपीट के मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और जांच की प्रक्रिया को भी स्पष्ट रूप से सामने लाया जाना चाहिए। 15 सितंबर के प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था। प्रेसवार्ता में विधायक ने पुलिस कार्रवाई की तुलना कथित चावल मामले से करते हुए सवाल उठाया कि जब सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों के नाम सामने आए तो पुलिस की कार्रवाई को लेकर उन्होंने अलग रवैया क्यों अपनाया। हालांकि ये विधायक द्वारा लगाए गए आरोप हैं। उन्होंने कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए और पुलिस को किसी भी मामले में राजनीतिक या अन्य दबाव से अलग होकर कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर, पुलिस का कहना है कि किरनापुर मामले की जांच

वीडियो, सीसीटीवी और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है तथा घटना में वास्तविक रूप से शामिल लोगों की पहचान के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने घटना से पहले कथित रूप से शराब और रुपये बांटे जाने के एंगल से भी जांच शुरू की है।

अनुभा मुंजारे ने कहा कि यदि पुलिस अधीक्षक द्वारा मामले में नियमानुसार और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो वह इस मुद्दे को लेकर आंदोलन करेंगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर विधानसभा के आगामी सत्र में भी किरनापुर की घटना को उठाया जाएगा। विधायक ने स्पष्ट किया कि थाने में तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन उसी के साथ निर्दोष लोगों को कार्रवाई से बचाना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। इस पूरे मामले में अब पुलिस की जांच और विधायक द्वारा उठाए गए सवालों के बीच किरनापुर प्रकरण पर राजनीतिक एवं प्रशासनिक हलचल बनी हुई है।

चावल मामले में सत्ता पक्ष पर क्यों नहीं हुई ऐसी कार्रवाई ?

प्रेसवार्ता में विधायक ने चावल से जुड़े पूर्व के मामलों का भी उल्लेख करते हुए पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों और भाजपा के जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के परिजनों तथा भाई का नाम सामने आया था, तब पुलिस अधीक्षक की ओर से उसी तरह की कड़ी कार्रवाई और सार्वजनिक कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई गई। विधायक ने सवाल उठाया कि यदि कानून सबके लिए समान है तो कार्रवाई में भी समानता दिखाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों के मामलों में पुलिस तत्काल सक्रिय होकर कार्रवाई करती है, लेकिन जब मामला सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों तक पहुंचता है तो कार्रवाई का स्तर अलग दिखाई देता है।

पुलिस की गलती है तो जिम्मेदारी भी तय हो

अनुभा मुंजारे ने चौधरी दंपती के मामले में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि पुलिसकर्मियों पर दंपती के साथ मारपीट के आरोप लगे हैं तो इसकी जांच गंभीरता से होनी चाहिए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इसी मामले में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है और जांच प्रक्रिया चल रही है। विधायक ने कहा कि एक ओर पुलिसकर्मियों पर आरोप लगते हैं और दूसरी ओर उसी घटना के विरोध में सड़क पर उतरे लोगों पर बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए जाते हैं तो ऐसे में पूरी कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की जांच तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाए और किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल दबाव बनाने के लिए प्रकरण में शामिल नहीं किया जाए।

कुमार कावरे को न्यायालय ने भेजा जेल

विशेष जांच दल की कार्यवाही तेज ,गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर २० हुई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से उजागर हुए शासकीय चावल की हेराफेरी के बहुचर्चित मामले में विशेष जांच दल एसआईटी ने एक और बड़ी कार्यवाही करते हुए २१ सितंबर को पूर्व मंत्री एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के बड़े भाई राजकुमार उर्फ कुमार कावरे पिता शिवलाल कावरे उम्र ५० वर्ष बघोली थाना भरवेली निवासी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन्हें भोपाल के गोविंदपुरा स्थित निजी मकान से गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय में पेश किया। न्यायालय द्वारा उन्हें जेल रिमांड पर भेजे जाने के बाद पुलिस ने तत्काल वारासिवनी उपजेल में दाखिल कराया। इस गिरफ्तारी के साथ मामले में जेल भेजे गए आरोपियों की संख्या बढ़कर २० हो गई है।

संचेती राइस मिल से शुरू हुआ था मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ३ जून को वारासिवनी स्थित संचेती राइस मिल में प्रशासनिक अधिकारियों ने एक ट्रक को शासकीय चावल सहित पकड़ा था। बताया गया कि यह ट्रक बालाघाट के नवेगांव वेयरहाउस से छिंदवाड़ा जिले के बोरगांव स्थित एथेनॉल प्लांट के लिए रवाना हुआ था। मामले में अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की जिसके बाद शासकीय चावल की कथित हेराफेरी से जुड़े नेटवर्क की परतें सामने आने लगीं। जांच के दौरान पुलिस के अनुसार सामने आया कि एथेनॉल निर्माण के लिए शासन स्तर से वेयरहाउस के माध्यम से चावल उपलब्ध कराया जाता था। आरोप है कि एथेनॉल प्लांट द्वारा उक्त चावल राइस मिलर्स को भेजा जाता था और बाद में वही चावल राइस मिल संचालकों के द्वारा क्षतिपूर्ति अथवा कस्टम मिलिंग के नाम पर वेयरहाउस में जमा किए जाने की प्रक्रिया अपनाई जाती थी। पुलिस इसी पूरी प्रक्रिया में शासकीय चावल की हेराफेरी और कथित अनियमितताओं की कड़ियां जोड़ते हुए जांच कर रही है।

अब तक ३० ट्रक जब्त, २० आरोपी जेल भेजे गए

मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने राइस मिल संचालकों, कर्मचारियों, विभागीय कर्मचारियों और कथित तौर पर जुड़े पार्टनरों सहित कई लोगों को आरोपी बनाया। अब तक १९ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। वहीं जांच के दौरान करीब ३० ट्रकों को भी जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। कुछ आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं जबकि कुछ संदिग्धों से पूछताछ एवं दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में हर्ष राइस मिल के संचालक राजकुमार उर्फकुमार कावरे के भी मामले से जुड़े होने की जांच की जा रही थी। पुलिस के अनुसार वे जिले से बाहर थे। विशेष जांच दल ने उनकी तलाश करते हुए भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र स्थित निजी मकान से उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उन्हें वारासिवनी लेकर पहुंची और २१ सितंबर को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल रिमांड पर भेज दिया गया।

पूछताछ में सामने आ सकते हैं नए नाम

पुलिस द्वारा मामले से जुड़े दस्तावेजों चावल की आपूर्ति परिवहन राइस मिलों तथा वेयरहाउस में जमा चावल से संबंधित रिकॉर्ड का गहन अध्ययन किया जा रहा है। राजकुमार उर्फ कुमार कावरे की गिरफ्तारी के बाद पुलिस के द्वारा उनसे पूछताछ किए जाने की संभावना है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर अन्य लोगों की भूमिका भी स्पष्ट होने की बात कही जा रही है। शासकीय चावल की कथित हेराफेरी से जुड़े इस मामले में विशेष जांच दल लगातार कार्यवाही कर रहा है। बालाघाट गोंदिया महाराष्ट्र सहित प्रदेश के अन्य स्थानों से भी मामले से जुड़े लोगों की तलाश और गिरफ्तारी की कार्यवाही की गयी है। पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ इस प्रकरण में और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

सड़क हादसे का शिकार हुये जनपद उपाध्यक्ष

मोड़ पर अनियंत्रित होकर गहरे गड्ढे में जा गिरी कार

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम कोरका-बोदारी में आयोजित बैगा आदिवासी समाज की आदरांजलि सभा में शामिल होकर लांजी लौट रहे जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे एवं उनके साथी सोमवार, 21 सितंबर को सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसे में उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे गड्ढे में जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा लांजी अनुभाग के अंतर्गत ग्राम नंदोरा से करीब पांच किलोमीटर आगे ग्राम केराटोला के पहले स्थित एक खतरनाक टर्निंग पर हुआ। बताया जा रहा है कि मोड़ पर पहुंचते ही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे उतरकर गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और स्थानीय लोग तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों की मदद की तथा काफी मशक्कत के बाद वाहन को गड्ढे से बाहर निकाला। हादसे में कार के अगले एवं अन्य हिस्सों को काफी नुकसान पहुंचा है। बताया गया कि अजय अवसरे एवं उनके साथी ग्राम कोरका-बोदारी में बैगा आदिवासी समाज की आदरांजलि सभा एवं समाजजनों से मुलाकात के बाद लांजी लौट रहे थे। इसी दौरान केराटोला के पहले टर्निंग पर यह हादसा हो गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही अजय अवसरे के परिजनों, परिचितों और समर्थकों में चिंता की स्थिति बन गई। बाद में सभी के सुरक्षित होने की जानकारी मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने बताया कि संबंधित मोड़ पर सड़क किनारे गहरा गड्ढा होने के कारण वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

व्यवसायी राजेन्द्र जैन पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिक राजेंद्र जैन पिता स्वर्गीय चिंतामणि जैन का बयासी वर्ष की उम्र में निधन हो गया। किराना दुकान के स्वामी राजेंद्र जैन को छाती में दर्द होने की जानकारी अपने बेटे नीरज को दिया तत्पश्चात उनके पड़ोसी पं निरंजन शर्मा भैया सिविल चिकित्सालय ले जाकर प्राथमिक उपचार दिलाया गया एवं डॉक्टर जैन ने बताया कि अच्छा लग रहा है चिकित्सक ने निरंजन शर्मा को बताया कि हृदय गति की शिकायत है बालाघाट दिखाएं 4:00 बजे के लगभग पं. निरंजन शर्मा पुत्र नीरज जैन एक निजी वाहन से बालाघाट चिकित्सालय ले समय अपने पुराने मित्रों की खूब याद करते रहे । राजेंद्र जैन बालाघाट पहुंचने तक खबर बातचीत करते रहे रात तक ठीक रहे, सुबह 8:30 बजे डॉक्टर ने इन्हें मृत घोषित किया इनकी शव यात्रा में नगर के प्रतिष्ठित एवं गणमान्य नागरिक भारी संख्या में उनके निवास स्थान पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर मृत आत्मा की शांति और दुःख को सहने की प्रार्थना किया लगभग 4:00 बजे उनकी यात्रा में सभी समाज वर्ग के लोग भारी संख्या में कंधा देने मुक्ति धाम तक पहुंचे। सन 1978 में जबलपुर से बैहर आकर स्थाई कपड़ा का व्यवसाय प्रारंभ किया और उसके बाद बाजार-बाजार जाकर अपना व्यवसाय बढ़ाया। राजेंद्रजैन धार्मिक कार्य में अग्रणी भूमिका निभाने वाले साथ ही समाज सेवा में पर चढ़कर भाग लेते थे वार्ड नंबर पांच मोक्ष धाम में जैन धर्म अनुसार शव पुत्र नीरज जैन अपने पिता के देह को अश्रुपूर्ण अग्नि को समर्पित तत्पश्चात पं निरंजन शर्मा ने शोक सभा आयोजित की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट